आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 335 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 26 नवंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला : राष्ट्रपति

संविधान दिवस : राष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज देश में संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं। देश आज संविधान दिवस मना रहा है।

संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। यह संयुक्त सत्र संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित हुआ। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान दिवस के अवसर पर विशेष स्मारक सिक्का भी जारी किया। साथ ही राष्ट्रपति ने एक विशेष डाक टिकट भी जारी किया। संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, उपराष्ट्रपति ने संस्कृत भाषा में संविधान की प्रति का विमोचन भी किया।

संविधान दिवस पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज हम सब एक ऐतिहासिक अवसर के भागीदार बन रहे हैं। 75 साल पहले संसद के इसी कक्ष में देश के संविधान के निर्माण का बहुत बड़ा काम संपन्न किया और उसी दिन इस संविधान को अपनाया गया। संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की आधारशिला है। आज कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से संविधान सभा के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। बाबा आंबेडकर ने संविधान सभा का नेतृत्व किया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि %संविधान की भावना के अनुसार, कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का दायित्व है कि वे लोगों की भलाई के लिए मिलजुलकर काम करें। देश के आर्थिक एकीकरण के लिए जीएसटी लागू किया गया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम से एक नए युग की शुरुआत की गई। सरकार ने सभी वर्गों खासकर पिछड़े वर्ग की भलाई के लिए कई कदम उठाए हैं। गरीब लोगों को पक्का घर, बिजली पानी सड़क की सुविधा मिल रही है। चिकित्सा सेवाएं मिल रही हैं और देश में बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है। इन प्रयासों के लिए मैं सरकार की सराहना करती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा कि न्यायपालिका, विचाराधीन कैदियों के कल्याण के लिए भी प्रयासरत है। कम संसाधन युक्त लोगों को न्याय मुहैया कराने की सुविधा बढ़ रही है। इससे हमारे संवैधानिक अधिकारों को शक्ति मिलती है। समाज में समरसता का निर्माण करना, महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करना और पर्यावरण आदि क्षेत्रों में काम हो रहा है। हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। हमने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय के अनेक लक्ष्यों को हासिल किया है। हमारे संविधान निर्माताओं ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत बनाने का संदेश दिया है। आज देश आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ ही विश्वबंधु के विचारों को बढ़ावा दे रहा है।

भारत लोकतंत्र की जननी

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। इसी भावना के साथ हम इस विशेष अवसर पर इकट्ठा हुए हैं। हमें उन अधिकारियों के अमूल्य योगदान को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने नेपथ्य में रहकर काम किया और देश के संवैधानिक मूल्यों को मजबूती दी। जिनमें प्रमुख भूमिका बीएन राव की थी, जो संविधान सभा के सलाहकार थे। आगामी 26 जनवरी को हम अपने गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ बनाएंगे। ऐसे समारोह हमारी राष्ट्रीय एकता को दर्शाते हैं। हमारी संविधान सभा में देश की विभिन्नता में एकता प्रदर्शित हुई थी। आज जिन पुस्तकों का विमोचन किया गया, उनमें लोगों को हमारे संविधान निर्माण के गौरवशाली इतिहास के बारे में पता चलेगा। हमारा संविधान कई वर्षों की मेहनत से बना, लेकिन ये हमारी आजादी की लड़ाई का परिणाम था। संविधान में भारत के आदर्शों, न्याय, स्वतंत्रता और समानता को भी परिलक्षित किया गया है।

राष्ट्रपति ने देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को याद करते हुए कहा कि संविधान सभा के दूरदर्शी सदस्यों ने एक प्रेरणादायक संविधान दिया, जो अन्य देशों के लिए भी आदर्श है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने आज ही के दिन कहा था कि संविधान को जीवंत बनाए रखना उन लोगों पर निर्भर करता है, जो उसका संचालन करते हैं। जो संविधान में नहीं लिखा जाता उनका संचालन परंपराएं करती हैं। अब तीन चौथाई संविधान यात्रा के बाद देश ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आने वाली पीढ़ियों को इन सफलताओं से अवगत कराया जाना चाहिए।

फर्नीचर फैक्टरी में लगी भीषण आग, तीन मजदूर जिंदा जले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में थाना बीटा 2 क्षेत्रांतर्गत साइट फॉर फैक्ट्री नंबर-4 में आज सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने से फैक्टरी में काम कर रहे तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। जिस समय कंपनी में आग लगी उसमें काफी श्रमिक काम कर रहे थे।

बताया गया कि इस फैक्ट्री में सोफा बनाने का काम होता है। आग लगने की सूचना पर तत्काल स्थानीय पुलिस व फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है।

वहीं, पुलिस उच्चाधिकारीगण मौके पर मौजूद है, स्थानीय पुलिस व फायर ब्रिगेड द्वारा सर्च ऑप्रेशन चलाया जिसमें तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। मृतकों के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। इस हादसे में गुलफाम पुत्र पप्पु निवासी ग्राम भूडा थाना राया जिला मथुरा (23 वर्ष)। मजहर आलम पुत्र जाहिद निवासी बैराजाल थाना बारसोई जिला कटिहार बिहार (29 वर्ष)। दिलशाद निवासी अरहरिया बिहार (24 वर्ष) की मृत्यु हुई है।

प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का संभावित कारण बताया जा रहा है। जानकारी पर पता चला है फैक्ट्री में आग लगने के समय कई मजदूर काम कर रहे थे। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि मजदूरों को बाहर निकलने का **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

सोसायटी के फ्लैट में लगी आग, कई वाहन जले

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित मयूर गोल्ड अपार्टमेंट बालाजी एंक्लेव सोसायटी शाहबेरी में ग्राउंड फ्लोर पर शॉर्ट सर्किट की वजह से गाड़ी में आग लग गई। जिसमें दो कार, दो मोटरसाइकिल व एक स्कूटी एवं एक स्कूटर जल गए। तीसरे फ्लोर पर एक महिला के साथ दो बच्चे फंस गए थे, जिनको फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर पलटी कार आगरा के कारोबारी की मौत

मथुरा (एजेंसी)। नोएडा-आगरा के बीच बने यमुना एक्सप्रेस-वे पर फिर दर्दनाक हादसा हुआ है। आगरा से नोएडा जा रही तेज रफ्तार कार यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 133 पर मंगलवार सुबह साढ़े चार बजे अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार दोनों युवकों की मृत्यु हो गई है।

आगरा की पंचवटी कॉलोनी के रहने वाले रौनक सलूजा की सदर बाजार में रौनक स्पोर्ट्स के नाम से दुकान है। वह स्पोर्ट्स के सामान, जूते, कपड़े आदि की बिक्री करते थे। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने 'संविधान दिवस' के अवसर पर पुलिसकर्मियों को संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों का अनुस्मरण कराते हुए संविधान की शपथ दिलाई गई।

नोएडा में प्राइम लोकेशन पर भूखंडों की हुई ई-नीलामी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय भूखंड योजना के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। योजना के तहत प्राधिकरण ने अलग-अलग सेक्टरों में 25 रिक्त आवासीय भूखंडों का ई-नीलामी के जरिए आवंटन किया है। ई-नीलामी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बोली लगाने वाले आवेदकों को जल्द ही आवंटन पत्र जारी किए जाएंगे।

नोएडा एक उत्कृष्ट क्षेत्र

आपको बता दें कि 3 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस दौरान कुल 786 योग्य आवेदकों को 22 और 25 नवंबर को ई-ऑक्शन में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया। सेक्टर-30, 43, 44, 99, 105, 122 और 151 सेक्टरों में भूखंडों का आवंटन किया गया। सभी भूखंडों का क्षेत्रफल 112.50 वर्ग मीटर से लेकर 390 वर्ग मीटर तक रखा गया है।

जल्द होंगे आवंटन पत्र जारी

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आवेदकों की ओर से जमा किए गए ईएमडी और संदर्भ पत्र की पूरी जांच के बाद इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। जिन आवेदकों ने बोली प्रक्रिया में सफलतापूर्वक भाग लिया और सबसे अधिक बोली लगाई, उन्हें जल्द ही आवंटन पत्र जारी किए जाएंगे।

कांग्रेसियों ने मनाया संविधान दिवस

नोएडा (चेतना मंच)। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव द्वारा संविधान दिवस पर सेमिनार व बैठक का आयोजन कर संविधान की प्रति लिपि का वितरण किया गया। सैक्टर-19 स्थित सामुदायिक भवन में महानगर कांग्रेस कमेटी ने संविधान पर चर्चा की।

महासचिव राम कुमार शर्मा ने बताया कि संविधान दिवस पर हुए सेमिनार में अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि आज भारतीय संविधान में लिखे गए लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला हो रहा है।

संविधान के खिलाफ जाकर केन्द्र व राज्य की सरकार काम कर रही है। सेमिनार में अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

संभल में शांति, दुकानें, स्कूल-कॉलेज खुले, इंटरनेट बंद

राहुल गांधी जा सकते हैं सम्भल, सपा नेताओं को नहीं मिली अनुमति

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में हुए बवाल के बाद अब वहां शांति है। संभल में हिंसा प्रभावित क्षेत्र में बाजार खुले हैं और स्कूल-कॉलेज भी खुल गए हैं। हालांकि अभी इंटरनेट सेवा बंद है। वहीं संभल कांड में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस का दावा है कि यह पूरी हिंसा सुनियोजित था। इसके पीछे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क से लेकर विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल और मस्जिद के सदर जफर अली तक की भूमिका है। पुलिस ने 7 मुकदमे दर्ज किए हैं। कुल दो दर्जन से ज्यादा लोग नामजद हैं और 2750 अज्ञात हैं। सांसद बर्क और विधायक पुत्र पर भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने का आरोप है।

हमें सम्भल जाने से रोका गया : अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान दिवस समारोह और संभल पथराव की घटना पर समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि मैं आपको संविधान दिवस की बधाई देना चाहता हूं। सच्चा उत्सव तभी है जब आप संविधान के रास्ते पर चलें...ऐसे समय में जश्न मना रहे हैं जब संभल में सरकार ने जिस तरह का काम किया है, उसमें लोगों की जान गई है। गम के साये में जश्न कैसे मनाया जा सकता है?...वहां के सांसद, वहां के विधायक और उनके बेटे पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। अगर

कोई गलती है तो वो सरकार की है। जब सर्वे हो चुका था तो दोबारा क्यों किया जाए? और अगर दोबारा सर्वे करना भी था तो मिल बैठकर चर्चा कर सकते थे। चर्चा के बाद बाकी बिंदुओं पर दोबारा सर्वे किया जा सकता था। हम सर्वे के खिलाफ नहीं थे लेकिन जो लोग सर्वे के दौरान टीम के पीछे नारे लगा रहे थे, क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई? क्या सर्वे टीम के साथ कोई भाजपा कार्यकर्ता थे जो लोगों को भड़का रहे थे? क्या उन्हें गिरफ्तार किया गया? क्या उन्हें जेल भेजा जाएगा? वहां कोई नहीं जा सकता। दोनों सदनों के विपक्ष के नेता संभल जाना चाहते हैं, लेकिन उन्हें जाने नहीं दिया जा रहा है। हमारे सभी सांसद संभल जाना चाहते हैं, लेकिन हमें जाने नहीं दिया जा रहा है।

शहरीकरण की राह

शहरीकरण के नक्शे पर हिमाचल ने नए सफर की शुरुआत करते हुए कुछ पंचायतों को नगर पंचायत, नगर पंचायतों को नगर परिषद और नगर परिषदों को नगर निगम का दर्जा दे दिया है। इस तरह संधोल, धर्मपुर, बड़सर, भोरंज और बंगाणा अब ग्रामीण इलाके नहीं रहे, जबकि नादौन और ज्वाली पूरी तरह अपनी व्यवस्था में शहरी हो गए। नगर निकायों के नए दर्पण में बद्दी, हमीरपुर और ऊना अब निगम की परिपाटी में कई गांवों को शहरी आगोश में लेंगे। गांवों पर शहरों की तख्तियां कोई सरहद नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार का तखल्लुस है। अपनी आर्थिक संरचना, जीवन शैली, रोजगार प्राथमिकता व सामाजिक सुरक्षा के कारण हिमाचल के नागरिक पूरी तरह शहर के व्यवहार में गांव में रह रहे हैं। शहर पूरी तरह जीवन में रच-बस गया है, लेकिन कर अदायगी के आचरण में हिमाचली परिदृश्य खुद को अनछुआ घोषित करता रहा। यह तो राष्ट्रीय नीतियां व केंद्रीय योजनाओं में वित्त पोषण की वजह है जो अब बड़े ही कसीदे से कुछ गांवों के गले में शहरी मंगलसूत्र डाला जा रहा है, वरना आधी सदी से यहां अमल में लाया गया ग्राम एवं नगर योजना कानून इस तरह असहाय न होता। शहरीकरण को सही मायने में अंगीकार करने में कहीं न कहीं हिमाचल ने काफी वक्त खोया है, वरना हमारी दृश्यावलियां व खेत बिगडने से पहले बच गए होते। हम पहाड़ की भौगोलिक परिस्थिति को शहरीकरण के अनुकूल मानते ही नहीं रहे, वरना आधुनिकता के बोझ में पहाड़ यूं ही नहीं काटे जाते। आधुनिक हिमाचल में विस्थापन के कारण कुछ मायने में बिलासपुर को नए शहर में बसाया गया या औद्योगिक खोज ने परवाणू की पैमाइश में नया नगर बना दिया, वरना बीबीएन की आर्थिकी में शहरीकरण आज तक उपेक्षित है। लिबास में प्रदेश का सबसे बड़ा शहरी कस्बा बीबीएन अगर आवासीय व अन्य सुविधाओं में शहरी होता, तो औद्योगिक आर्थिकी से हिमाचल के हिस्से में भी पंचकूला या मोहाली सरीखा एक व्यवस्थित शहर होता। आज बीबीएन की शहरी क्षमता रोज रात को चंडीगढ़ के आसपास निकल जाती है। इस नुकसान का आकलन केवल वित्तीय नहीं, बल्कि सामूहिक निष्कासन से हमने शहरीकरण से जुड़ा अपना रुतबा खो दिया। खैर अब बद्दी को नगर निगम की तरजीह में सजाने-संवारने का अवसर मिल रहा है, तो हमीरपुर व ऊना अपने भीतर शहरी क्षमता का विस्तार व आर्थिक उजास पैदा कर रहे हैं। इस तरह हिमाचल में आठ नगर निगम स्थापित हो रहे हैं। अब सवाल यह कि नगर निगमों की व्यवस्था के तहत शहर और गांव के बीच नागरिक तहजीब में कितना अंतर आता है। करीब नौ साल पहले नगर निगम बने धर्मशाला शहर में आए परिवर्तन अगर मानक हैं, तो हकीकत यह है कि सम्मिलित क्षेत्र अभी भी एक पांव गांव और दूसरा शहर में रखे हुए हैं। न तो शामिल किए गए क्षेत्र पूरी तरह शहरी बन पाए और न ही यहां से आय के साधन बढ़े। आश्चर्य यह कि हिमाचल में आजादी से पूर्व सैन्य छावनी का दर्जा हासिल योल कैंप जब से आजाद हुआ है, इसकी ख्वाहिश में ग्रामीण पंचायतों का चयन बढ़ रहा है, जबकि यहां दशकों की शहरी व्यवस्था को नए इंतजाम के तहत धर्मशाला नगर निगम से जोड़ देना चाहिए। हिमाचल की शहरी मानसिकता ने पूरे प्रदेश की सड़कों के किनारे, नदी-नालों के तट और पहाड़ इसलिए लील दिए हैं, ताकि कहीं बस्तियां और कहीं व्यापारिक प्रतिष्ठान स्थापित हो सकें। ऐसे में पूरे प्रदेश के नियोजन की जरूरत को देखते हुए टीसीपी कानून को अमल में लाना होगा। इसके लिए पूरे प्रदेश को दस-बारह सेक्टरों में बांट कर कई शहरी विकास प्राधिकरण स्थापित करते हुए, शहरी व ग्रामीण निकायों में सामंजस्य पैदा करना होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उसी समय तारक नाम का असुर हुआ, जिसकी भुजाओं का बल, प्रताप और तेज बहुत बड़ा था। उसने सब लोक और लोकपालों को जीत लिया, सब देवता सुख और सम्पत्ति से रहित हो गए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अजर अमर सो जीति न जाई। हारे सुर करि बिबिध लराई॥
तब बिरंचि सन जाइ पुकारे। देखे बिधि सब देव दुखारे॥

वह अजर-अमर था, इसलिए किसी से जीता नहीं जाता था। देवता उसके साथ बहुत तरह की लड़ाइयाँ लड़कर हार गए। तब उन्होंने ब्रह्माजी के पास जाकर पुकार मचाई। ब्रह्माजी ने सब देवताओं को दु:खी देखा॥

दो0- सब सन कहा बुझाइ बिधि दनुज निधन तब होइ।
संभु सुक्र संभूत सुत एहि जीतइ रन सोइ॥

ब्रह्माजी ने सबको समझाकर कहा- इस दैत्य की मृत्यु तब होगी जब शिवजी के वीर्य से पुत्र उत्पन्न हो, इसको युद्ध में वही जीतेगा॥

मोर कहा सुनि करहु उपाई। होइहि ईस्वर करिहि सहाई॥
सतीं जो तजी दच्छ मख देहा। जनमी जाइ हिमाचल गेहा॥

मेरी बात सुनकर उपाय करो। ईश्वर सहायता करेंगे और काम हो जाएगा। सतीजी ने जो दक्ष के यज्ञ में देह का त्याग किया था, उन्होंने अब हिमाचल के घर जाकर जन्म लिया है॥ (क्रमश:..)

विधानसभा के चुनावों के निहितार्थ

महाराष्ट्र के चुनावों का असर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में 13 सीटें जीतकर बड़ा दल बनने के बाद पार्टी ने ग्रेस सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। इसके चलते पार्टी में गुरूर दिखने लगा।

हर राज्य की अपनी अहमियत है। लेकिन राजनीतिक लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा महत्व अगर किसी राज्य का है तो वह महाराष्ट्र है। देश की आर्थिक राजधानी इस राज्य की राजधानी है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के मुकाबले 48 सीटों के साथ दूसरा बड़ा राज्य महाराष्ट्र है। राजनीतिक हलकों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी होने के लिए भारतीय जनता पार्टी सदा विपक्षी निशाने पर रहती है, उस संघ का मुख्यालय भी इसी राज्य में है। इस लिहाज से महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों का असर दूरगामी होना स्वाभाविक है। मराठी मानुष ने जो जनादेश दिया है, उसका असर देश की राजनीति पर तो पड़ेगा ही, अर्थनीति पर भी पड़ेगा। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर भी कई बदलाव नजर आ सकते हैं। देश की राजनीति पर झारखंड के चुनाव नतीजों का भी पड़ना ही है। इसका असर दिखने लगा है। इंडिया गठबंधन की अगुआई राहुल गांधी से छीनने को लेकर आवाज उठने लगी है। तृणमूल कांग्रेस की ओर से मांग आ भी गई है कि मोदी को चुनौती देने के लिए जरूरी है कि इंडिया गठबंधन की कमान राहुल गांधी की बजाय ममता बनर्जी को दी जाय।

महाराष्ट्र के क्षत्रप शरद पवार को लेकर हाल ही में कहा जाने लगा था कि उनके बिना महाराष्ट्र की सत्ता की कल्पना नहीं की जा सकती। इस धारणा को ढाई साल पहले बीजेपी ने तोड़ दिया था। एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना में टूट हुई और सबसे ज्यादा 104 विधायक होने के बावजूद बीजेपी ने अपने कद्दावर नेता देवेंद्र फणनवीस को शिंदे का सहयोगी बनने के लिए राजी कर लिया। इस सरकार के कार्यकाल में हुआ लोकसभा चुनाव में बीजेपी की अगुआई वाली महायुति को समर्थन नहीं मिला। बीजेपी और शिवसेना-शिंदे- दोनों को लोकसभा सीटों का नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन इससे बीजेपी और शिवसेना दोनों ने सीख ली। बीजेपी ने अपने पारंपरिक गढ़ विदर्भ पर फोकस तो किया ही, गैर मराठा वोटरों पर भी अपना ध्यान लगाया। मराठवाड़ा में शिवसेना शिंदे और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पर भरोसा जताया। नतीजा सामने है। पार्टी ने इस बीच एक काम और किया। उसने माझी लड़की बहीण योजना लागू की। इसके तहत 21 से 65 साल तक की उम्र वाली पात्र महिलाओं को पंद्रह सौ रूपए महीने दिए जाने लगे हैं। राज्य की करीब एक करोड़ महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलने लगा है। इसका फायदा महाराष्ट्र की महायुति सरकार को हुआ है। माना जा रहा है कि राज्य की महिलाओं ने महायुति की अगुआई वाली सरकार को अपना समर्थन दिया है।

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह कई अन्य राज्य सरकारें महिलाओं को आर्थिक सहयोग देना शुरू कर चुकी हैं। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र के नतीजों के बाद इस चलन को और बढ़ावा मिलेगा। बाकी राज्य सरकारें भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाएंगी और महिला वोटरों को रिझाने की कोशिश करेंगी। हालांकि झारखंड में एनडीए का यह फॉर्मूला नहीं चल पाया है। झारखंड की 81 में से 68 सीटों पर पुरूषों की तुलना में साढ़े पांच लाख से ज्यादा महिला वोटरों ने मतदान किया है। बीजेपी वहां के लिए ढाई हजार रूपए की माई सम्मान योजना का प्रस्ताव लेकर आई थी. लेकिन वहां की महिलाओं ने हेमंत सोरेन की गोगो दीदी योजना पर ही ज्यादा भरोसा जताया।

महाराष्ट्र के चुनावों का असर कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ सकता है। लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में 13 सीटें जीतकर बड़ा दल बनने के बाद पार्टी ने ग्रेस सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। इसके चलते पार्टी में गुरूर दिखने लगा। विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे में पार्टी खुद को सबसे आगे रखने और सहयोगी दलों को पीछे रखने की रणनीति पर काम करने लगी। चुनाव नतीजे आने से पहले ही मुख्यमंत्री पद को लेकर जिस तरह खींचतान सामने आई, उससे साफ था कि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं था। इसका असर चुनाव नतीजों पर साफ नजर आ रहा है। इसकी तुलना में झारखंड में पार्टी ने हेमंत की सहयोगी की भूमिका में रखा तो वहां के नतीजे अलग तरीके से आए। साफ है कि पार्टी जहां खुद का वर्चस्व रखती है, वहां उसे मुंह की खानी पड़ रही है, लेकिन जहां वह सहयोगी दलों की बैसाखी पर आगे बढ़ने की कोशिश करती है, उसे फायदा होता है। साफ है कि आने वाले दिनों में पार्टी को इस नजरिए से सोचना होगा। महाराष्ट्र के नतीजों से दिल्ली में कुछ महीने बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी उत्साह में होगी। कांग्रेस जहां उसके साथ जाने का दबाव बना सकती है, वहीं आम आदमी पार्टी कुछ और मुफ्तिया वादों के साथ मैदान में मजबूती से उतर सकती है।

महाराष्ट्र के चुनावों में असली उत्तराधिकारी कौन का सवाल भी हावी था। शिवसेना को दोनों धड़े हों या राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों खेमे, सभी खुद को ही असली शिवसेना और असली एनसीपी बता रहे थे। इस चुनाव में बेशक अजित पवार के खेमे की सीटें कम हुई हैं, लेकिन शरद पवार की एनसीपी से उसके ज्यादा ही विधायक जीते हैं। इसी तरह एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सीटें बढ़ी हैं, जबकि हिंदुत्ववादी की बजाय सेकुलर चोला धारण करने वाले उद्धव ठाकरे की शिवसेना पिछड़ गई है। अब इन नतीजों के आधार पर अजित पवार की पार्टी असली एनसीपी होने का दावा करेगी तो एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी खुद को असली और बाला साहब ठाकरे की असल उत्तराधिकारी बताएगी। ऐसे में शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टियों के वजूद को बचाए रखने का संघर्ष होगा। सत्तावादी राजनीति में विधायक लंबे समय तक सत्ता से दूर नहीं रह सकते। आने वाले दिनों में शरद पवार और उद्धव ठाकरे का विधायक दल टूटे तो हैरत नहीं होनी चाहिए।

शरद पवार का कहना है कि कटेंगे तो बंटेंगे का असर भी महाराष्ट्र के चुनावों में दिखा। बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन के खिलाफ राज्य का 11 फीसद मुस्लिम वोट बैंक एकजुट हुआ। इसकी वजह से हिंदू वोट बैंक महायुति की ओर गोलबंद हुआ। वैसे जानकारों का मानना है कि मराठा आरक्षण की मांग रखने वाले मनोज जरांगे का पहले चुनाव लड़ने का ऐलान करना और बाद में शरद पवार आदि के दबाव में चुनाव से पैर पीछे खींचना भी महायुति की सफलता की वजह बना। इससे मनोज जरांगे की साख कमजोर हुई और मराठा वोटर महायुति की ओर लौट आया, जो लोकसभा चुनाव के दौरान उससे दूर हो गया था।

महाराष्ट्र के नतीजों से महायुति की अंदरूनी राजनीति पर भी असर पड़ने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र को बिहार की राह पर ले चलना नहीं चाहेगी। ऐसे संकेत उसने दिए भी हैं। यानी वह देवेंद्र फणनवीस को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश करेगी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या एकनाथ शिंदे आसानी से मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे। इस मसले पर महायुति में तनाव दिख सकता है। जिसे खत्म करने के लिए बीजेपी आलाकमान को ऊर्जा लगानी पड़ेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मसले पर राजनीतिक ऊंट किस करवट बैठता है।

झारखंड के नतीजों ने एक रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के गठन के बाद कोई भी सरकार दोबारा सत्ता में नहीं आ पाई है। हेमंत सोरेन यह रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रहे हैं। इससे उनका राजनीतिक कद बढ़ेगा। इन नतीजों ने साबित किया है कि उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को झारखंड की जनता ने स्वीकार नहीं किया। झारखंड की कमान बीजेपी की ओर से हिमंत विश्वशर्मा और शिवराज सिंह चौहान को दी गई थी। उत्तर पूर्व से बाहर हिमंत को पार्टी की ओर से पहला असाइनमेंट मिला था। इसमें अगर वे सफल होते तो उनकी राष्ट्रव्यापी छवि बनती। लेकिन वे इसमें नाकाम रहे हैं। अगर बीजेपी को झारखंड में कामयाबी मिलती तो शिवराज का भी कद बढ़ता। लेकिन फिलहाल इसमें ब्रेक लगता दिख रहा है। बीजेपी को चंपई सोरेन के जरिए कोल्हान में चमत्कार की उम्मीद थी, लेकिन चंपई कोई कमाल नहीं दिखा पाए। इसका असर उनके राजनीतिक कद पर भी पड़ेगा। बीजेपी ने आदिवासी समुदाय की शख्सियत को राष्ट्रपति पद तक पहुंचाया, इसके बावजूद लोकसभा और विधानसभा चुनावों में उसे आदिवासी सीटों पर समर्थन ना मिलना चिंता का विषय होगा। बीजेपी को अपनी रणनीति पर विचार करना पड़ेगा और आदिवासी वोटरों के बीच भरोसा कायम करने के लिए सोचना पड़ेगा।

उपचुनावों में वायनाड से प्रियंका गांधी की जीत संभावित थी। लेकिन महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट उसके हाथ से निकल गई। इससे साफ है कि कांग्रेस को अभी निन्यानबे के ही फेर में रहना होगा। सौ का आंकड़ा पार करने का उसका सपना पूरा नहीं हुआ। उपचुनावों में सबसे हंगामा उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों को लेकर रहा। इनमें बीजेपी की बढ़त का मतलब साफ है कि योगी सरकार का मकबूल बना हुआ है। वैसे राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दलों को ही समर्थन मिला है। दरअसल आज के वोटरों को यह समझ है कि उपचुनावों के नतीजों से सरकारों की सेहत पर खास असर नहीं पड़ता, इसलिए ज्यादातर मामलों में वे सत्ताधारी दलों के ही विधायकों को चुनते हैं, ताकि उनके इलाके की विकास गतिविधियां जारी रह सकें। इसका असर उपचुनाव नतीजों में दिख रहा है। हां, पश्चिम बंगाल के बारे में कहा जा सकता है कि वहां के उपचुनावों में आरजी कर मेडिकल कॉलेज कांड से उपजे क्षोभ का असर नहीं दिखा, जिसकी वजह से ममता बनर्जी बैकफुट पर नजर आ रही थीं। बिहार में प्रशांत किशोर का करिश्मा नजर नहीं आया, अलबत्ता एनडीए एक बार फिर मजबूती से उभरा है। इसका असर बिहार के अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों पर भी दिखेगा।

वैसे झारखंड की जीत में झारखंड मुक्ति मोर्चा की बजाय राज्य के कुर्मी वोटरों का आजसू की बजाय नवगठित जेएलकेएम पार्टी की ओर खिसकता गया। अगर ऐसा नहीं होता तो राज्य की कहानी कुछ और होती। इसकी तस्दीक चुनावी आंकड़े भी करते हैं। जैसे इचागढ़ की सीट पर जेएमएम की जीत हुई। यहां उसे 57125 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर पर रहे आजसू प्रत्याशी को को 45070 वोट हासिल हुए। यहां पर जेएलकेएम को 38974 वोट मिले। सोचिए, अगर ये वोट आजसू को मिले होते तो क्या होता। इसी तरह जुगसलाई पर भी जेएमएम की जीत हुई, जिसे 120230 वोट मिले, जबकि आजसू को 77105 और जेएलकेएम को 36698 वोट मिले। इसी तरह कांके में विजयी रही कांग्रेस को 133499 और बीजेपी को 132531 वोट मिले। जबकि नवेली पार्टी जेएलकेएम को 25965 वोट मिले। इसी तरह खरसावां में हेमंत का प्रत्याशी जीता, जिसे 85772 वोट मिले। दूसरे नंबर पर रहे बीजेपी प्रत्याशी को 53157 वोट और जेएलकेएम को 33841 वोट मिले। इसी तरह तमाड़, रामगढ़, सिल्ली, खिजरी, चंदनक्यारी, गोमियों, सिंदरी, टुंडी, निरसा, बोकारो, गिरीडीह, बेरमो और डुमरी में अगर जेएलकेएम प्रत्याशी नहीं होते तो शायद झारखंड की कहानी अलग होती। अगर सोलह सीटें इंडिया गठबंधन की बजाय एनडीए के खाते में जातीं तो कहानी ठीक उलट होती। झारखंड के चुनाव के बाद तय है कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नेता जयराम महतो बड़े नेता बनकर उभरे हैं। आने वाले दिनों में हो सकता है कि वे बीजेपी के साथ जाएं। क्योंकि सुदेश महतो की बजाय बीजेपी के लिए वे ज्यादा मुफीद साबित हो सकते हैं।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : एकादशी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सितारों की तरह चमकेंगे। बहु अच्छा समय व्यतीत करेंगे। एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नवीन सोर्स बनेंगे। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान का साथ और व्यापार अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान मध्यम, व्यापार आपका अच्छा रहेगा। भावुक होकर कोई निर्णय न लें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है, लेकिन गृहकलह भी संभव है। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम-संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान में सुधार हो चुका है और व्यापार भी अच्छा है। निवेश करने से बचें।

हिन्दू राष्ट्र बनाने में सभी वर्ग के लोगों का चाहिए समर्थन: शास्त्री

झांसी ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा शुरू किया गया हिंदू एकता पद यात्रा का कल झांसी में भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा हिन्दू राष्ट्र बनाने की मांग को शुरू की गई है।

यह पैदल यात्रा कई किलोमीटर की बताई गई है। हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए श्री शास्त्री ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने में सभी वर्ग एवं समाज के लोगों का सहयोग चाहिए कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि प्रधान खारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी समाज की पार्टी है।

उन्होंने कहा कि चाहे वह सिख हो, ईसाई हो, मुसलमान हो हम किसी से भेदभाव नहीं करते सभी समाज का सम्मान करते हैं और सभी को लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। रवि प्रधान ने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर भारतीय जनता पार्टी को बदनाम करने की साजिश रच हैं। उन्होंने कहा कि मुझे एवं भाजपा को गुरुद्वारे, मस्जिद एवं दरगाह से कोई शिकायत या शिकवा नहीं है।

सभी भारत में रहते हैं सभी का सम्मान है और सभी लोग मिलकर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाएंगे ।

उन्होंने कहा कि कुछ शरारती तत्व के लोग जानबूझकर मस्जिद एवं मंदिर के नाम पर लोगों लड़वाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री द्वारा शुरू किया गया यह अभियान पूरा होगा ।

किसानों के धरने में शामिल हुए सपाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण पर बड़ी संख्या में धरना दे रहे किसानों के धरने में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में शामिल होकर किसानों को अपना समर्थन दिया। इस मौके पर पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और भाजपा सरकार की तानाशाही के चलते हैं आज जनपद गौतम बुध नगर के किसानों को अपने अधिकार के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष करना पड़ रहा है, लेकिन किसान विरोधी भाजपा सरकार किसानों के अधिकारों को देने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आज की सरकार की किसान विरोधी सोच के चलते अन्नदातों का शोषण किया जा रहा है। किसान काफी लंबे समय से अपनी समस्याओं निस्तारण के लिए प्राधिकरण और सरकार से मांग कर रहे हैं, लेकिन हर बार प्राधिकरण और सरकार द्वारा किसानों को गुमराह कर उन्हें धोखा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की आवाज को दबाने के लिए दमनकारी नीति अपना रही है। समाजवादी पार्टी किसानों के इस धरने को अपना पूर्णता समर्थन देती है और उनके अधिकारों की इस लड़ाई में कंधे से कंधे मिलाकर साथ निभाएगी। इस मौके पर मुख्य रूप से मेहंदी हसन, दीपक भाटी देवटा, विनोद लोहिया, अक्षय चौधरी, हैप्पी पंडित, रोहित मत्ते गुर्जर, मोहित यादव, कुलदीप भाटी, अनिल प्रजापति, प्रशांत भाटी, गजेंद्र यादव, बबली भाटी, केशव पंडित आदि मौजूद रहे।

प्राधिकरण पर जुटे हजारों किसान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में 20000 किसान ग्रेटर नोएडा

प्राधिकरण पर महापंचायत में जूटे-संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आयोजित महापंचायत महापडाव में 20000 से भी अधिक की संख्या में किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर डेरा डाला।

किसान महापंचायत को अखिल भारतीय किसान सभा के उपाध्यक्ष आठ बार के लोकसभा सांसद हन्ना मौलाना संबोधित करते हुए कहा कि मोदी योगी निजाम किसान विरोधी निजाम है भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश की सरकार पूरी नंगई के साथ पूंजी पत्तियों से रिश्वत खाकर फंड प्राप्त कर उनके पक्ष में जमीनों एवं प्राकृतिक संसाधनों को कौड़ियों के दाम पर ट्रांसफर कर रही है।

भारतीय किसान यूनियन टिकट के नेता राकेश टिकैत ने संबोधित करते हुए कहा कि धरना आर पार का चलना चाहिए। आज महापंचायत की अध्यक्षता दशरथ सिंह ने की महापंचायत का संचालन उदल आर्य एवं राजीव मलिक ने किया महापंचायत को सुनील फौजी डॉक्टर रुपेश वर्मा सुखबीर खलीफा सोरन प्रधान डॉक्टर विकास सुधीर चौहान अनिल तालान पवन खटाना अंशुमान ठाकुर अमन ठाकुर हरवीर नागर बीसी प्रधान जगबीर नंबरदार नीरज चौहान अतुल यादव वीर सिंह नागर जितेंद्र भाटी ने संबोधित किया। पंचायत पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार महापडाव में बदल गई है ।

धन सिंह कोतवाल हमारे समाज के धरोहर हैं: आर्य

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में डी पार्क में आयोजित अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के द्वारा आयोजित शाहिद धन सिंह कोतवाल की स्मृति में प्रोग्राम हुआ जिसमें क्षेत्र के लड़के और लड़कियों की रेस का आयोजन हुआ व वृक्षारोपण भी हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान महेंद्र सिंह ने की ।

इस मौके पर शाहिद धन सिंह कोतवाल के ट्रस्ट के अध्यक्ष तस्वीर सिंह चपराना मेरठ के पूर्व प्रधानाचार्य और कर्नल साहब भी मौजूद रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में धन सिंह कोतवाल के विषय में विस्तृत चर्चा की 1857 के क्रांति के महानायक के विषय में प्रकाश डाला।

इस मौके पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर प्रदेश संगठन महामंत्री मनोज कटारिया प्रदेश मंत्री अमरजीत चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष कसाना अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के जिला अध्यक्ष और आयोजन करता कैप्टन पंचशील गुर्जर रहे। खेल के प्रशिक्षक बालचंद नागर

जी पीटीआई भारतीय आदर्श इंटर कॉलेज तिलपता की देखरेख में दौड़ का आयोजन हुआ। इस मौके पर सब लोगों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वी धन सिंह कोतवाल ट्रस्ट के निर्देशक सुखबीर सिंह आर्य ने अपने संबोधन में कहा की शाहिद धन सिंह कोतवाल हमारे समाज की धरोहर है। उन्होंने 1857 की क्रांति का बिगुल बजाया और सबको जोड़कर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए जिससे अंग्रेज दूर-दूर तक मारे गए पूरे हथियारों के साथ में उनकी पूरी यूनिट में अंग्रेजों की नींद हराम कर दी ऐसे धन सिंह कोतवाल की स्मृति में प्रोग्राम होते रहेंगे तो समाज मैं जागरूकता फैलेगी और नविको को भी ज्ञान मिलेगा।

इस प्रोग्राम में क्षेत्र के सैकड़ो लोगों ने भाग लिया और बहुत अच्छा आयोजन हुआ दौड़ में तड़पता इंटर कॉलेज की छात्रा कुमारी खुशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और लड़कों की दौड़ में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान भी तिलपता कॉलेज के छात्रों ने प्राप्त किया उनको शील्ड देकर सम्मानित किया गया और और सबने अपनी भाविनी श्रद्धांजलि अर्पित की यह प्रोग्राम अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के द्वारा हर वर्ष किए जाएंगे।

कृषि विज्ञान केंद्र सलाहकार समिति की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कृषि विज्ञान केंद्र गौतमबुद्धनगर में वैज्ञानिक सलाहकार

समिति (SAC) की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के निदेशक प्रसार डॉ पी के सिंह, डॉ के जी यादव (पूर्व-प्राध्यापक), डॉ हरिओम कटियार (सह-प्राध्यापक उद्यान), विनोद कुमार, जिला कृषि अधिकारी एवं जनपत गौतम बुधनगर के उद्यान, पशुपालन एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र के प्रभारी डॉ विपिन कुमार एवं अन्य वैज्ञानिकों के द्वारा पुष्प-गुच्छ देकर अतिथियो का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यालय के डॉ पीके सिंह, निदेशक प्रसार महोदय के द्वारा दीप प्रज्वलन करके की गई। तत्पश्चात केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ विपिन कुमार द्वारा केंद्र की प्रक्षेत्र प्रदर्शन, प्रदर्शन इकाईयो, प्रक्षेत्र की प्रगति आदि के बारे में विस्तार से से बताया गयी इसके उपरांत कृषि विज्ञान केंद्र के सस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान, ग्रह-विज्ञान, उद्यान विज्ञान, मत्स्य विज्ञान आदि विषयों के वैज्ञानिकों द्वारा अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक कार्य की प्रगति एवं आगामी वित्तीय वर्ष-2025 की कार्य योजना पर निदेशक प्रसार महोदय, अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों के समक्ष प्रगति एवं कार्य योजना प्रस्तुत की गईद्य कार्यक्रम के तत्पश्चात केंद्र के अन्य वैज्ञानिकों के द्वारा प्रगति एवं आगामी कार्य योजना 2025 का प्रस्तुतीकरण भी निदेशक प्रसार महोदय, जनपद के उपस्थित प्रगतिशील कृषक, वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्यो एवं अधिकारियों के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी ।

पृष्ठ एक के शेष....

फर्नीचर फैक्टरी में लगी....

पर्याप्त समय नहीं मिला। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया, जिससे और बड़ा हादसा टल गया।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर ...

सुबह वह कारोबार के सिलसिले से दिल्ली जा रहे थे। उनके साथ दुकान में काम करने वाले विकास निवासी सदर बाजार भी साथ थे। सुबह साढे चार बजे बलदेव क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार दोनों युवकों की मृत्यु हो गई है।

आज भी बेहद खराब आबोहवा

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में हवा अभी भी खराब है। मंगलवार की सुबह भी राजधानी में धुंध की एक पतली परत छाई हुई है। वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। एक्यूआई का मीटर 400 से ऊपर चल रहा है। वहीं सोमवार को स्मॉग की चादर छाई रही। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 349 दर्ज किया गया। इसमें रविवार की तुलना में 31 अंकों की वृद्धि हुई है। वहीं, एनसीआर में दिल्ली की हवा सबसे खराब श्रेणी में रही। ऐसे में कुछ इलाकों में गंभीर के साथ आनंद विहार, शादीपुर समेत 30 इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब रही। सोमवार सुबह एक्यूआई 285 था।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा, गौतमबुद्व नगर
वेबसाइट : www.noidaauthorityonline.com

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

UPLC लखनऊ में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से निम्न जॉब संख्याओं हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है, जिन्हे निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की वेबसाईट **www.noidaauthorityonline.in** एवं UPLC की वेबसाईट **https://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईट देखते रहें।

(क)

1. **16/महा0प्र0(वि0/यॉ0)/वरि0प्र0-(वि0/यॉ0-4)/2024-25,** पथ प्रकाश अनुरक्षण (सैक्टर-129 से 135 तक 63 केवीए ट्रांसफार्मर के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य)। लागत रू0 10.22 लाख
2. **17/महा0प्र0(वि0/यॉ0)/वरि0प्र0-(वि0/यॉ0-4)/2024-25,** सैक्टर-135 में विभिन्न स्थानों पर हाईमास्ट लगाने का कार्य। लागत रू0 16.89 लाख
3. **18/महा0प्र0(वि0/यॉ0)/वरि0प्र0-(वि0/यॉ0-4)/2024-25,** वर्क सर्किल-9 द्वारा गउशाला सैक्टर-135 में नवनिर्मित शौड के आन्तरिक विद्युतीकरण का कार्य। लागत रू0 9.77 लाख
4. **19/महा0प्र0(वि0/यॉ0)/वरि0प्र0-(वि0/यॉ0-4)/2024-25,** पथ प्रकाश अनुरक्षण (एक्सप्रेस वे पर 63केवीए ट्रांसफार्मर के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य)। लागत रू0 13.15 लाख
5. **21/महा0प्र0(वि0/यॉ0)/वरि0प्र0-(वि0/यॉ0-4)/2024-25,** सैक्टर-150 के बारातघर के विद्युत विकास एवं आन्तरिक विद्युतीकरण (रिवायरिंग का कार्य)। लागत रू0 27.90 लाख

जिन्हे दिनांकः- 09.12.2024 को सांय 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांकः 10.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।

"महत्वपूर्ण सूचना-

नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में शासन से स्वीकृत मास्टर प्लान एवं उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 के विपरीत प्लॉटिंग या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह अवैध है। जनसामान्य को आगाह किया जाता है कि इस प्रकार की अवैध कॉलोनियों एवं अवैध निर्मित भवनों में भूखण्डों/अपार्टमेंट/दुकान/गोडाऊन/फार्महाउस की खरीद-फरोख्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाईजर के लुभावने एवं भ्रामक विज्ञापनों से बचे। साथ ही नौएडा अधिसूचित क्षेत्र के हिण्डन एवं यमुना नदियों के डूब क्षेत्र (Flood Plain Zone) में अनधिकृत/अवैध प्लॉट एवं फार्म हाऊसों के कारोबार में संलिप्त भूमाफियाओं के चंगुल में न फंसे।"

महाप्रबन्धक (वि0/यॉ0)
नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

ओडिशा के बेरहामपुर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी

बेरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कांस्य प्रतिमा स्थापित होगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसकी जानकारी दी। भाजपा विधायक अनिल कुमार ने बेरहामपुर के रामलिंगम पार्क में परियोजना की आधारशिला रखी। प्रतिमा की कुल ऊंचाई 17 फुट होगी, जबकि इसका आधार 6.5 फुट होगा। कुमार ने कहा कि प्रतिमा के लिए करीब 20 लाख रुपये की जरूरत होगी और इस उनके स्थानीय क्षेत्र विकास (एलएडी) कोष से खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर प्रतिमा का अनावरण करने की योजना बना रहे हैं।

गूगल मैप के सहारे अधूरे फ्लाईओवर पर दौड़ा दी कार, नदी में गिरने से तीन लोगों की मौत

बरेली। वर्तमान में यहां फिर कभी भी तकनीक पर विश्वास करना ठीक है, लेकिन अति विश्वास करना ठीक नहीं हैं। इसी अति विश्वास का शिकार बरेली में तीन लोग हो गए। दरअसल बरेली जिले में दुखद घटना घटी, जहां एक अधूरे फ्लाईओवर से एक कार गहरी खाई में गिर गई, इसमें तीन लोगों की मौत हुई। यह घटना शनिवार को हुई, जब दो व्यक्ति, विवेक और अमित और अन्य, गुरुग्राम से शादी के लिए बरेली जा रहे थे। वे दिशा-निर्देशों के लिए गूगल मैप्स का उपयोग कर रहे थे, जो अधूरे फ्लाईओवर से होकर दूरी तक पहुँचने का सबसे तेज मार्ग दिखा रहा था। पुलिस ने बताया कि बरेली जिले में तीन लोगों की मौत हुई, जब गूगल मैप पर उनकी कार गलत तरीके से निर्माणाधीन पुल पर ले गई और कार नदी में गिर गई। पीड़ितों में से दो की पहचान विवेक और अमित के रूप में हुई, जिन्होंने गुरुग्राम से अपनी यात्रा शुरू की और एक शादी में शामिल होने के लिए बरेली जा रहे थे। वे लोग समारोह स्थल तक पहुँचने के लिए गूगल मैप्स पर निर्भर थे, तभी उनका जीपीएस उन्हें अधूरे फ्लाईओवर पर ले गया। लोगों ने अगली सुबह क्षतिग्रस्त कार और तीनों लोगों को मृत पाया। उन्होंने पुलिस को सूचित किया, जो घटनास्थल पर पहुँची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। पुलिस ने बताया, आज सुबह 9-30 बजे रामगंगा नदी पर एक क्षतिग्रस्त कार मिली। पुलिस को सूचना दी गई और वह मौके पर पहुंची। र अधूरे पुल पर जा गिरी और वहां से नदी में गिर गई।

गोरखपुर में भीड़ ने थानेदार और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा

गोरखपुर। यहां दो पक्षों के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज (दारोगा) और सिपाही को बंधक बनाकर पीटा। पिटाई से चौकी इंचार्ज बेहोश हो गए। मौके पर पहुंची थाने की पुलिस ने उन्हें भीड़ के चंगुल से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के कनहौली गांव में रविवार की सुबह दो पट्टीदारों के बीच गाड़ी आगे-पीछे करने को लेकर विवाद हो गया। मामला गाली-गलौज तक पहुंचा तो एक पटीदार श्रवण यादव ने 112 नंबर पर फोन कर पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनो पक्षों को समझा बुझाकर शांत करा दिया। हालांकि शाम होते होते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने इकट्ठे हो गए। दोनों तरफ से जम कर ईंट-पत्थर चलने लगे तो श्रवण यादव ने इसकी सूचना पुलिस चौकी पर दी गई। आरोप है कि चौकी इंचार्ज (दारोगा) अपने हमराही के साथ जैसे ही उक्त स्थल पर पहुंचे, श्रवण पक्ष के लोगों ने पुलिस पर लेट पहुंचने और लापरवाही का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। भीड़ ने चौकी इंचार्ज सहित कांस्टेबल को जमकर पीट दिया। भीड़ उन्हें एक कमरे में ले गई और बंधक बना लिया। किसी ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी। मौके पर पहुंची पुलिस फोर्स ने बमुश्किल दोनों पुलिसकर्मियों को हमलावरों के चंगुल से बाहर निकाला।

34 करोड़ की कोकीन तस्करी का संदिग्ध मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हाल ही में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किए एक कार्रवाई में सिएरा लियोन से आए एक लायबेरियन नागरिक को हिरासत में लिया। बताया गया है कि उक्त यात्री का ट्रॉली बैग असामान्य रूप से भारी पाया गया और डीआरआई अधिकारियों ने बैग का जब गहन निरीक्षण किया तब ट्रॉली बैग के निचले डिब्बे में सफेद पाउडर वाले दो पाउच पाए गए। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि यह कोकीन है। इसका कुल वजन 3496 ग्राम है और बाजार में इसकी कीमत 34.96 करोड़ रुपये है। संबंधित यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर मांगे 50 लाख, नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

भरतपुर। शहर के कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा को लॉरेंस विश्नोई गैंग के द्वारा 50 लाख रुपए की रंगदारी की मांग के बाद धमकी मिलने की घटना चर्चा में है। पीड़ित ने कॉल और मैसेज में अजनबी नंबर से धमकी के साथ मांग प्राप्त की थी। विवेक शर्मा ने इस मामले को लेकर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला लॉरेंस विश्नोई गैंग के पाठक्रम से भिन्न है, क्योंकि इस घटना में भारतीय नंबर से संपर्क किया गया है। पुलिस ने लोगों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए आश्वासन दिया है कि आरोपी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना से शहर में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस ने जनता को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच कर रहे विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा और पूरे मामले का सच सामने आएगा। इसके बाद, लोगों को फिर से शहर में निर्भीकता की भावना महसूस होगी।

साधू संतो का अभियान ही अब करेगा देश में नव चेतना का जागरण

महोबा (एजेंसी)। हिन्दुओं की एकता के लिए बागेश्वर धाम से ओरछा की पदयात्रा पर निकले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने आज कहा की भारत वर्ष में हिन्दुओ को जाति के आधार पर बांटने वालों की कुत्सित मानसिकता के खिलाफ साधू संतो का अभियान देश में परिवर्तन की नई चेतना का जागरण करेगा.यह अभियान एक सौ पचास करोड़ लोगो को एक सूत्र में बाँधने की कवायद के साथ इस देश को आपस में जोड़ने का मंत्र भी है.

सोमवार को उत्तर प्रदेश में महोबा जिले के अशोक नगर में प्रवेश पर हजारों लोगो की भीड़ के साथ यात्रा पर पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की उनकी सनातानी हिन्दू यात्रा को लेकर तरह -तरह की बाते लोगो द्वारा भले की जा रही है लेकिन यह सही नहीं है. यह यात्रा तमाम जातियों में बंटे हिंदू को एक मंच पर लाने की कवायद है.जिन्हे विभाजित करके कतिपय लोगो द्वारा लाभ लिया जा रहा है. कुछेक राजनैतिक दल इस दिशा में बीते कई सालो से अपनी योजना को अंजाम दे रहे है. लेकिन उन्हें सफलता नही मिल रही है जिससे वह बैचेन है.

धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने कहा की बागेश्वर धाम से 21 नवम्बर को शुरू होकर 29 नवम्बर को सम्पन्न होने वाली सनातानी हिन्दू यात्रा एक प्रयोग है. जल्द ही पूरे देश में साधू संतो द्वारा इस प्रकार की अन्य कई यात्राएं निकाल कर हिन्दू को एकजुट करने का कार्य किया जाएगा. देश में सनातन बोर्ड की स्थापना की लड़ाई का क्रम जारी रहेगा. पचास हज़ार से ऊपर भीड़ के साथ चल रहे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने पर महोबा जिले के अशोक नगर में भारी संख्या में समर्थको ने जोरदार तरीके से स्वागत किया. मध्य प्रदेश पुलिस ने भी इस दौरान उनकी सुरक्षा ब्यवस्था को उत्तर प्रदेश पुलिस को हेंड ओवर किया.

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के साथ यात्रा में सुप्रसिद्ध कथा वाचक अनिरुद्धराचार्य और अयोध्या की हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास आज मौजूद रहे. धीरेन्द्र शास्त्री ने सवालों के जवाब में यूपी के सम्भल में हुये उपद्रव पर क़ानून तोड़ने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाही और आर एस एस सुप्रीमो मोहन भागवत के बयान की हिन्दुओ को सभी मस्जिदों के भीतर शिव लिंग न देखने की बात पर उनकी निजी टिप्पणी करार देते हुये कुछ भी कहने से इंकार किया.

अडानी समूह से तेलंगाना सरकार नहीं लेगी 100 करोड़ रुपए का दान! सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

नई दिल्ली । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी के राज्य में स्थापित की जा रही यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ का दान पर रोक लगा दी है। रेड्डी ने दान को रोकने के निर्णय के लिए प्रारंभिक घोषणा के बाद बढ़ती 'अनावश्यक चर्चाओं' का हवाला दिया। रेड्डी के हवाले से कहा गया कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि अडानी की घोषणा ने अनावश्यक चर्चाओं को जन्म दिया कि यदि दान स्वीकार किया गया तो यह राज्य सरकार या सीएम का पक्ष ले सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेलंगाना सरकार ने अदानी समूह सहित किसी भी संगठन से एक भी रुपया अपने खाते में स्वीकार नहीं किया है। रेड्डी ने कहा कि मैं और मेरे मंत्रिमंडल के सहयोगी ऐसी अनावश्यक चर्चाओं और स्थितियों में शामिल नहीं होना चाहते हैं, जिससे राज्य सरकार या मेरी छवि को नुकसान पहुंचे। इसीलिए राज्य सरकार की ओर से हमारे अधिकारी जयेश रंजन ने अदाणी को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पत्र में लिखा है कि (वर्तमान) स्थिति और विवादों के कारण, तेलंगाना सरकार आपके (अदाणी) द्वारा उदारतापूर्वक दिए गए 100 करोड़ रुपये के दान को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। रेड्डी ने बताया कि पत्र में अदाणी फाउंडेशन से स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि वह विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये हस्तांतरित न करें।

ईवीएम को हैक किया जा सकता है इसलिए मतपत्रों से हो चुनाव: हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली पर संदेह को दूर करने के लिए मतपत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए क्योंकि तकनीक को हैक किया जा सकता है। सुक्खू ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'ईवीएम निर्माताओं ने उत्पादन बंद कर दिया है और अगर उनके कामकाज पर संदेह है तो आम जनता की मांग पर मत पत्रों का इस्तेमाल कर चुनाव कराए जाने चाहिए।'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति गठबंधन ने 288 में से 230 सीट पर जीत हासिल की थी, जिसके कुछ दिनों मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी की। चुनाव में विपक्षी महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के खाते में 46 सीटें आयीं। सुक्खू ने कहा, 'किसी भी तकनीक को हैक किया जा सकता है और यहां तक कि एलन मस्क(सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' के मालिक) ने भी यह बात कही है।' कांग्रेस, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शरदचंद्र पवार के कई नेताओं ने ईवीएम के कामकाज में अनियमितताओं का आरोप लगाया और दावा किया कि मशीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आई हैं। सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस अवधि के दौरान विभिन्न विभागों के कामकाज में बदलाव कर वह राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर ले आए हैं और वह राज्य के लोगों के हित में साहसिक कदम उठना जारी रखेंगे।

ललन सिंह के बयान से बिहार में सियायी घमासान... तेजस्वी ने कहा उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के बयान को लेकर बिहार में सियासी घमासान मच गया है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नीतीश सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद, मुसलमान जदयू को वोट नहीं देते हैं। मंत्री सिंह ने सीएम नीतीश के कार्यकाल के दौरान लागू किए गए कई सुधारों पर प्रकाश डाला, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय को लाभ हुआ है, और उनकी तुलना लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सरकार के दौरान की स्थितियों से की गई।

सीएम नीतीश के करीबी माने जाने वाले पूर्व जदयू अध्यक्ष सिंह ने कहा, मुसलमान पहले भी जद-यू को वोट नहीं देते थे, और न ही अब देते हैं। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी युग के दौरान, मदरसा शिक्षक प्रति माह 4,000 रुपये कमाते थे। नीतीश के नेतृत्व में, उनके वेतन को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप किया गया है, जो उनकी वित्तीय स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार को दिखाता है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश ने उन्नत शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं जैसे उपायों के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को गति दी है।

हालाँकि, केंद्रीय मंत्री सिंह ने अफसोस जताया कि ये प्रयास नीतीश या जद-यू के लिए वोटों में नहीं बदले हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समुदाय की राजनीतिक प्राथमिकताओं की आलोचना कर दावा किया कि जिन पार्टियों का वे समर्थन करते हैं, उन्होंने उनके विकास में योगदान नहीं दिया है। अपनी टिप्पणी में, उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से चुनावी गतिशीलता की वास्तविकताओं को पहचानने का आह्वान कर कहा, किसी भी भ्रम में न रहें कि अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश को वोट देता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश सभी के लिए काम करते हैं।

हालांकि, जदयू नेता मोहम्मद जमाल ने केंद्रीय मंत्री सिंह के बयान पर पलटवा कर कहा है कि बिहार का अल्पसंख्यक समुदाय नीतीश के साथ मजबूती से खड़ा है। वहीं नीरज कुमार के बाद अब अशोक चौधरी ने कहा कि, सिंह के बयान पर विपक्ष जबरदस्ती का विवाद पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश न हिंदू है न मुसलमान है, न वह सिख हैं न इसाई है। नीतीश कुमार एक इंसान हैं, जो एक इक्कसवीं सदी के बिहार के निर्माण का सपना देखा और काम कर रहा है।

ललन के बयान पर राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि छोड़िए ललन सिंह की बात, हम लोगों के साथ थे, तब प्रधानमंत्री और अमित शाह को क्या-क्या बोलते थे। इधर हैं, तब इधर की बात करेंगे, उधर हैं, तब इधर की बात करते है। उनकी अपनी कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है। वहीं, बयान के सफाई में ललन सिंह ने कहा कि मुजफ्फरपुर में मैंने कहा कि नीतीश कुमार वोट के लिए काम नहीं करते, वह बिहार की भलाई के लिए काम करते हैं और नीतीश कुमार ने पिछले 19 वर्षों में समाज के हर वर्ग के सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए काम किया है और उसी का परिणाम है कि आज बिहार बदल रहा है।

40 बागी विधायकों में से 5 को मिली हार, सामना के जरिए उद्धव ठाकरे ने शिंदे को राजनीति छोड़ने के वादे की दिलाई याद

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उनके राजनीति छोड़ने के वादे की याद दिलाई, यदि 2022 में अविभाजित शिवसेना के विभाजन के दौरान उनके साथ रहने वाले बागी विधायकों में से कोई भी राज्य में विधानसभा चुनाव हार गया। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में एक लेख में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने शिंदे को याद दिलाया कि 40 बागी विधायकों में से पांच विधानसभा चुनाव हार गए हैं। दैनिक ने कहा कि विधायक हैं माहिम से सदा सरवनकर, भायखला से यामिनी जाधव, सांगोला से शाहजी बापू पाटिल, मेहकर से संजय रायमुलकर और उमरगा से ज्ञानराज चौगुले।

शिंदे की सेना की ओर से एकनाथ शिदने को मुख्यमंत्री बने रहने की मांग बढ़ने के बाद पार्टी की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है। शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने शिंदे के समर्थन में बिहार में व्यवस्था का हवाला दिया। म्हास्के ने कहा कि हमें लगता है कि शिंदे को मुख्यमंत्री होना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बिहार में हुआ था, जहां बीजेपी ने संख्या को नहीं देखा, लेकिन फिर भी जेडीयू नेता नीतीश कुमार को सीएम बनाया। महायुति (महाराष्ट्र में) के वरिष्ठ नेता अंततः निर्णय लेंगे। शिंदे की सेना से महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने भी रविवार को कहा कि पार्टी विधायकों का मानना है कि शिंदे को मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। केसरकर ने संवाददाताओं से कहा, उनके नेतृत्व में, महायुति ने बहुत अच्छा काम किया और चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महायुति के साझेदार अंतिम निर्णय लेंगे।

शिंदे, जो उस समय उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सरकार में मंत्री थे, ने तत्कालीन सीएम के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह कर दिया था। शिंदे के साथ कम से कम 39 अन्य विधायक भाजपा के साथ 'बातचीत' शुरू करने के लिए सबसे पहले गुजरात के सूरत और असम के गुवाहाटी, दोनों भाजपा शासित राज्यों के लिए रवाना हुए। बाद में शिंदे भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने।

रामदास अठावले ने बता दिया, सीएम की रेस में कौन है सबसे आगे, अपनी पार्टी के लिए मांगा मंत्री पद

केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया-अठावले (आरपीआई-ए) के प्रमुख रामदास अठावले ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस, राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की ओर अग्रसर हैं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार ने उन्हें अपना समर्थन दिया है। फडणवीस से उनके आवास पर मुलाकात के बाद अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर फैसले को अगले दो से तीन दिनों के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि शपथ ग्रहण समारोह जल्द ही होगा और आश्वासन दिया कि आरपीआई-ए कैबिनेट में जगह सुरक्षित करेगी। केंद्रीय मंत्री ने फडणवीस के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगले मुख्यमंत्री के तौर पर देवेन्द्र फडणवीस को चुना जाएगा। बीजेपी को 132 सीटें मिली हैं। अजित पवार ने भी देवेन्द्र फडणवीस को 41 सीटों का समर्थन दिया। एकनाथ शिंदे से चर्चा अभी भी जारी है। अठावले ने यह भी सुझाव दिया कि एकनाथ शिंदे, जिन्होंने शिव सेना को 58 सीटों पर जीत दिलाई, को केंद्रीय पद से सम्मानित किया जाना चाहिए, जबकि शिव सेना को एक उपमुख्यमंत्री की सीट मिलनी चाहिए।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध, प्रदर्शनकारियों व पुलिस में झड़प

दुकानदार और पालकीवालों ने कहा, हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी

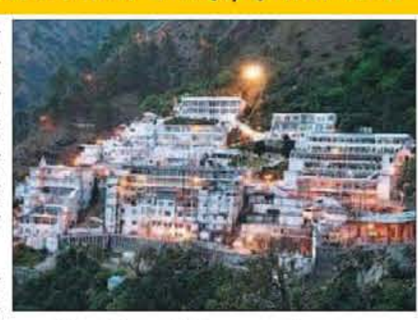

श्रीनगर (एजेंसी)। कटरा में वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध बढ़ता जा रहा है। सोमवार को लोकल दुकानदार और मजदूरों ने लगातार चौथे दिन प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। झड़प में पुलिस का एक जवान घायल हो गया है।

प्रदर्शनकारियों ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध रैली निकाली और शालीमार पार्क के बाहर धरना दिया। बता दें कि शालीमार पार्क में ही वैष्णोदेवी दर्शन के लिए जाने वाले लोगों के लिए बेस कैंप शिविर बनाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले रोपवे प्रोजेक्ट से मौजूदा रूट के लोकल दुकानदार का व्यापार ठप हो जाएगा। पालकी और घोड़े से श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचाने वाले स्थानीय लोगों ने कहा कि नया प्रोजेक्ट 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है। इसके बनने के बाद श्रद्धालु रोपवे से जाएंगे। हमारी रोजी-रोटी छिन जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुकानदारों और घोड़े-पालकीवालों ने तीन दिन हड़ताल का भी ऐलान किया था। 22 नवंबर से शुरू हुई यह हड़ताल अब एक दिन और बढ़ाई गई है। प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही प्रभावितों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए कहा है।

रोपवे से सात घंटे का सफर मात्र एक घंटे में होगा

श्री वैष्णो देवी मंदिर श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग ने बताया कि 250 करोड़ रुपए की लागत से नए रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण हो रहा है। इसके तहत कटरा से सांझीछत जाने में महज छह मिनट का समय लगेगा। इसके बाद 45 से 50 मिनट में वैष्णो देवी भवन तक पहुंचा जा सकता है। अभि भक्तों को मंदिर तक पहुंचने में चढ़ाई करके 6-7 घंटे लगते हैं। प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद श्रद्धालु को सिर्फ एक घंटा लगेगा। इससे श्रद्धालुओं को आसानी होगी।

निज्जर कांड में न सबूत-न सुनवाई, अब 4 भारतीयों को फंसाने पर तुला कनाडा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो अपने खालिस्तानी प्रेम से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। इसी प्रेम के चलते कनाडा में उनका जबरदस्त विरोध हो रहा है,इसके बाद भी टूडो खालिस्तानियों के चंगुल में फंसे हुए हैं। निज्जर हत्याकांड में उसके पास सबूत है नहीं और अब वह प्रारंभिक सुनवाई का भी मौका नहीं दे रहा। जी हां, अब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में कनाडा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है। कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड के कथित आरोपी चार भारतीय नागरिकों के खिलाफ सीधे अभियोग अथवा मुकदमे चलाने का ऐलान है।

आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में चार भारतीय नागरिक हैं- करण बरार, अमनदीप सिंह, कमलप्रीत सिंह और करणप्रीत सिंह। इन चारों आरोपी भारतीय नागरिकों को 21 नवंबर को सरे की प्रांतीय अदालत में पेशी के लिए हाजिर होना था, मगर ऐन वक्त पर कार्यवाही को रद्द कर दिया गया और वे पेश नहीं हो सके। अब वे 11 फरवरी, 2025 को पेश होंगे। कनाडा के अफसरों की मानें तो अभी सुनवाई शुरू होने की कोई संभावित तारीख तय नहीं है। 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के परिसर में निज्जर की हत्या के मामले में इस साल मई में गिरफ्तार किए गए चार लोगों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद से मामले की सुनवाई पांच बार टाली जा चुकी है। चारों पर निज्जर की हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप है।

बिना शुरुआती सुनवाई के ही यह ट्रायल चलेगा। बीसी प्रॉसिक्यूशन सर्विस की मानें तो इसके चलते सरे प्रोविंसियल कोर्ट में सुनवाई से पहले की कार्यवाही रोक दी गई है और मामला अब सीधे सुप्रीम कोर्ट में जाएगा। जस्टिन टूडो निज्जर हत्याकांड को दिल से लगा बैठे हैं। वह इस मसले के वोट बैंक के रूप में देख रहे हैं। वह इसके सहारे अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं।खबर के मुताबिक, निज्जर हत्याकांड के कथित चारों आरोपियों पर सीधे अभियोग चलाने का मतलब है कि मामला बिना किसी प्रारंभिक सुनवाई के सीधे ट्रायल के लिए जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण चरण को दरकिनार कर देता है, जहां आरोपी के बचाव पक्ष के वकील को अभियोजन पक्ष के गवाहों से जिरह करने और वास्तविक मुकदमे शुरू होने से पहले अपने मुवक्किल के खिलाफ मामले का पता लगाने का अवसर मिलेगा। मगर अब यह मामला सीधे ट्रायल में जाएगा। कनाडा के क्रिमिनल कोड के तहत, डायरेक्ट इंडिक्टमेंट यानी प्रत्यक्ष अभियोग एक स्पेशल पावर है, जिसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर किया जाता है। यह अटॉर्नी जनरल की संवैधानिक जिम्मेदारी पर निर्भर करता है कि जो लोग मुकदमे के लायक हैं, उन पर वाकई मुकदमा चलाया जाए। इसे आम तौर पर जनहित के कुछ खास मामलों में ही लागू किया जाता है, जैसे कि जब गवाहों, उनके परिवारों, या मुखबिरों की सुरक्षा को लेकर उचित चिंता हो।

खास खबर

कबड्डी खिलाड़ी की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़ । पंजाब के तरनतारन में एक कबड्डी खिलाड़ी सुखविंदर सिंह की गोलियां मारकर हत्या का मामला सामने आया है। सुखविंदर एक कृषि से जुड़े सामान के स्टोर में बैठा था तभी उस पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। में मौजूद एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक खिलाड़ी गैंगस्टर सतनाम सिंह सत्ता का चचेरा भाई बताया जाता है। सतनाम पर रंगदारी सहित कई अन्य आपराधिक मामले हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि उसी के विरोधियों का हाथ इस वारदात के पीछे हो सकता है। मृतक खिलाड़ी की अभी एक माह पहले ही शादी हुई थी, जिससे इलाके में दुख का माहौल है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू हो गयी है। आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस आसपास के इलाके में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों की जांच भी कर रही है। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश भी होने की आशंका है।

अकरम ने की राहुल की प्रशंसा

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतयी बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर सराहना की है। अकरम ने कहा कि उन्हें राहुल के स्ट्रेट ड्राइव देखकर सचिन तेंदुलकर की याद आ जाती है। अकरम ने कहा कि कहा, राहुल की बल्लेबाजी के कारण ही भारतीय टीम पहले क्रिकेट टेस्ट में बेहतर हालत में पहुंची है। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय उनके बल्लेबाजोंराहुल और यशस्वी जायसवाल को जाता है। इन दोनो ने ही ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का प्रभावहीन कर दिया। राहुल के शानदार स्ट्रेट ड्राइव देखकर मुझे सचिन की याद दिला आ गयी। अकरम ने आगे कहा, ऑस्ट्रेलिया में उपमहाद्वीप की टीम का आना और मेजबान टीम पर दबाव बनाना मुझे हमेशा ही अच्छा लगता है1 भारतीय टीम लंबे समय से ऐसा कर रहा है, मुझे पूरी उम्मीद है कि भारतीय टीम यह टेस्ट मैच जीत सकती है।पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत शानदार स्थिति में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने के मामले में राहुल ने रोहित शर्मा, कपिल देव, गौतम गंभीर, रवि शास्त्री को भी पीछे छोड़ दिया है।

श्याम ने की शानदार गेंदबाजी एसएमआर ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन में एसएमआर क्रिकेट क्लब ने एसएस क्रिकेट क्लब को 23 रन से हरा दिया। इस मैच में श्याम कुमार विश्वकर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके। एसएमआर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 225 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज तुषार वर्मा मात्र 19 रन बनाकर आउट हो गये। अपनी टीम में सबसे अधिक अर्जुन यादव ने 63 रन का योगदान दिया। शिवांश तिवारी ने 43 रन बनाये, जबकि सुशील सिंह ने 36 रन का योगदान दिया। वहीं एस.एस. क्रिकेट क्लब की टीम 192 रन ही बना सकी और एसएमआर ने 23 रन से मैच को जीत लिया। एसएस क्रिकेट क्लब के सलामी बल्लेबाज मनीष यादव ने 24 रन का योगदान दिया। वहीं ओम ठाकुर ने अपनी टीम में सर्वाधिक 62 रन बनाये।

पर्थ टेस्ट में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हराया

एजेंसी

पर्थ। यहां भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पहले ही टेस्ट में 295 रनों के बाद एक अहम उपलब्धि हासिल की है। ऑस्ट्रेलियाई धरत पर ये भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय टीम ने इससे पहले दिसंबर 1977 में मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर मुकाबला 222 रनों से जीता था। भारत ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी जिसके बाद उन्होंने 2020-21 में भी जीत दर्ज की। मौजूदा सीरीज में भारत को इससे बेहतर शुरूआत की उम्मीद नहीं थी। पहली पारी में 150 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय टीम दबाव में थी पर फिर तेज गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह के 5 विकेट की बदौलत उसने 46 रनों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतक जड़े जिससे भारत ने 533 रनों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। तीसरे दिन देर से तीन विकेट लेने के बाद भारत अजेय हो गया। हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी को आउट कर मैच पर भारत की झोली में डाल दिया। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर रनों के हिसाब से टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की है। उसने इससे पहले दिसंबर 1977 में प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर मुकाबला 222 रनों से जीता था। भारतीय टीम ने विदेशी टेस्ट में अपनीसबसे बड़ी जीत 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 318 रनों की हसिल की थी। इसके बाद 2017 में श्रीलंका के खिलाफ 304 रनों की जीत दर्ज की थी।
भारत पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड 4-0 था, उसने पाकिस्तान (2023 में 360 रनों से), भारत (2018 में 146 रनों से), न्यूजीलैंड (2019 में 296 रनों से) और वेस्टइंडीज (2022 में 164 रनों से) के खिलाफ अपने सभी मैच जीते थे। जसप्रीत बुमराह इस मैदान पर टेस्ट जीतने वाले पहले मेहमान कप्तान भी बन गए हैं। भारत ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 10 या उससे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाली अब चौथी मेहमान टीम बन गई है। वहीं इंग्लैंड 57, वेस्टइंडीज 19 और दक्षिण अफ्रीका 10 इससे पहले यहां तक पहुंची हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट जीतने वाले 7वें भारतीय कप्तान बन गए हैं। अन्य कप्तानों में अजिंक्य रहाणे, विराट कोहली, सुनील गावस्कर, बिशन सिंह बेदी, सौरव गांगुली और अनिल कुंबले शामिल हैं।

विराट का भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान : कपिल

एजेंसी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि खेल में उन्होंने अहम योगदान दिया है इसलिए उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। कोहली ने करीब डेढ़ साल बाद पर्थ में शतक लगाकर भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने का काम किया।
ऑस्ट्रेलिया में कोहली ने अपना सातवां शतक लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के छह टेस्ट शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। कपिल ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ह्यजिन लोगों को आलोचना करनी है वे करेंगे ही उसमें कोई कुछ नहीं कर सकता। कोई बड़ा खिलाड़ी अगर वापसी करने में काफी समय लेता है तो

मीडिया आलोचना करती ही है। उन्होंने कहा, ह्यहमें उसकी क्षमता और प्रतिभा देखनी चाहिए। वह बहुत बड़े खिलाड़ी है। उन्हें किसी को साबित करने की जरूरत नहीं है। उन्हें मुझे या मीडिया के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। इस इस पूर्व कप्तान ने कहा, ह्यउसने क्रिकेट के लिए जो किया है वह अद्भुत है और इसके लिए सभी को उसका हौंसला बढ़ाना चाहिये।

कुश्ती प्रतियोगिता में मुरादाबाद की बेटियों को चार गोल्ड

एजेंसी

मुरादाबाद। उप्र खेल निदेशालय एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से राज्य स्तरीय सब जूनियर बालिका कुश्ती प्रतियोगिता के सोमवार को विभिन्न भार वर्ग के फाइनल मुकाबले सोनकपुर स्टेडियम में खेले गए। एक के बाद एक खिलाड़ियों ने अपने दांव से प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को चित किया। प्रतियोगिता में मेजबान टीम की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर पांच पदक अपने नाम किए। इसमें वैष्णवी, पलक आयुषी और तराना ने स्वर्ण पदक हासिल किया। तो वहीं अंजलि ने कांस्य पदक अपने

नाम किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने विजेता बेटियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी नरेश चंद यादव, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक, पवन सिसोदिया आदि मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक ने बताया कि कुश्ती में मुरादाबाद मंडल की बेटियां चार गोल्ड और एक ब्रांज मेडल जीतकर चौंपियन बन गईं। बेटियों ने 43, 61, 69 व 73 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड और 65 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रांज मेडल जीता। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दूसरे मंडलों की बेटियों ने भी गोल्ड, सिल्वर व ब्रांज मेडल जीतकर अपने मंडल का नाम रोशन किया। फ्रीस्टाइल कुश्ती में आगरा, झांसी, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, अयोध्या, गोरखपुर, आजमगढ़, मेरठ, देर्वपाटन, चित्रकूट धाम, सहारनपुर, मिजार्पुर और मुरादाबाद के टीमों के 140 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। 43 किलोग्राम भार वर्ग में मुरादाबाद मंडल की वैष्णवी ने प्रथम, रहीं।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही शुरू किया अभयास

एजेंसी

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां पहुंचने के तत्काल बाद से ही अभ्यास शुरू कर दिया। रोहित पर्थ पहुंचने के बाद तुरंत नेट अभ्यास के लिए पहुंचे। रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। उन्हें लंच सत्र के दौरान नेट में बल्लेबाजी की। उन्होंने उन्होंने रिजर्व तेज गेंदबाजों नवदीप सैनी, यश दयाल और मुकेश कुमार की गेंदों का सामना किया। रोहित 30 नवंबर से केनबरा में शुरू होने वाले दो दिवसीय अभ्यास मैच में भी खेलेंगे। इस अभ्यास मैच को

प्रथम श्रेणी का दर्जा प्राप्त नहीं है पर यह मैच अहम होगा क्योंकि इससे भारतीय टीम को गुलाबी गेंद से होने वाले दिन-रात्रि के मुकाबले के लिए अभ्यास का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम छह दिसंबर से एडीलेड में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। रोहित के भी कैनबरा में इस मैच में खेलने की उम्मीद है। इससे उन्हें टेस्ट में उतरने से पहले लय हासिल करने का अवसर मिलेगा।

दिल्ली कैपिटल्स को सफल बनाना रहेगा लक्ष्य : बदानी

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स के कोच बने हेमांग बदानी का लक्ष्य अपनी टीम को सफल बनाना है। पूर्व क्रिकेटर बादानी ने कहा कि उनके अंदर कोचिंग को लेकर उत्साह है और वह बिना लाइम लाइट में आये काम करना चाहते हैं। बदानी ने कहा कि कोच के तौर पर मैं टीम का प्रभावित कर सकता हूं। साथ ही कहा कि मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीत हासिल करना रहेगा। बदानी ने कहा, मैंने यहां आने के लिए अपनी योग्यताएं अर्जित की हैं और मुझे वास्तव में लगता है कि आने वाले वर्षों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छे फैसले लेने के साथ अच्छी चीजें कर सकूंगा।उन्होंने कहा, आप बहुत अधिक रणनीति बनाते हुए देखेंगे, आप एक बहुत ही शांत

कोच देखेंगे, जो पृष्ठभूमि में काम करता है। मैं बोलने की जगह अपने काम से जवाब देने में विश्वास रखता हूं। मुझे टी20 क्रिकेट में कुछ सफलता मिली है, क्योंकि मुझे सच में विश्वास है कि मुझमें कोचिंग के प्रति जुनून है और मुझे लगता है कि मैं प्रभाव डाल सकता हूं। साथ ही कहा, ह्यह्यमेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा जीतना रहा है। दिल्ली कैपिटल्स अब नये कोच और कप्तान निकोलस पूरन के साथ आईपीएल सत्र में उतरेगी।

लीसेस्टर सिटी ने कोच कूपर को किया बर्खास्त

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने रविवार को कोच स्टीव कूपर को सिर्फ 12 मैच के बाद बर्खास्त कर दिया। लीसेस्टर ने कूपर के 12 मैचों में से दो जीते, चार ड्रॉ खेले और छह हारे।नॉटिंघम फॉरेस्ट के पूर्व बॉस ने हाल ही में पदोन्नत क्लब को प्रीमियर लीग में 16वें स्थान पर रखा है, शनिवार को चेल्सी से घरेलू मैदान पर 2-1 से हार के बाद, जिसे अब एन्जो मारेस्का द्वारा कोचिंग दी जा रही है, कूपर को बर्खास्त कर दिया गया। मारेस्का के जाने के बाद कूपर को स्टैमफोर्ड ब्रिज में पदभार संभालने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसमें लीसेस्टर को बचाने का कठिन काम था, और वह टीम को रिलीगेशन जोन से बाहर बैठाकर चले गए। लीसेस्टर के बयान में कहा गया, पुरुषों की प्रथम टीम के प्रशिक्षण की देखरेख प्रथम टीम के कोच बेन डावसन करेंगे।

सीएसके ने अपने रिलीज किये खिलाड़ियों को ही खरीदा

एजेंसी

जेद्दा । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए हुई नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें खिलाड़ियों का खरीदा जिन्हें उसने रिलीज कर दिया था। वहीं माना जा रहा था कि सीएसके कुछ नये खिलाड़ियों को अवसर देगी पर ऐसा नहीं हुआ। नीलामी में सीएसके प्रबंधकों की टीम ने केवल अपने खिलाड़ियों को खरीदने में रुचि दिखाई। जब भी सीएसके के किसी खिलाड़ी का नाम लिया जाता तो चेन्नई पहली बोली से ही नीलामी में आगे आ जाती थी। उन्होंने अपने अनुभवी खिलाड़ियों को कम कीमतों में ही अपने से जोड़ लिया। सीएसके ने आर अश्विन को सबसे पहले 9.75 करोड़ रुपये में खरीदा
अश्विन ने पंजाब, दिल्ली और

राजस्थान की ओर से भी खेला है पर इस दौरान वह सीएसके टीम की तारीफ करना कभी नहीं भूले। वैसे भी तमिलनाडु प्रीमियर लीग में भी अश्विन ही छाये रहते हैं। ऐसे में अपने खिलाड़ियों की वापसी का पूरा प्रयास सीएसके ने किया। रचिन के लिए नीलामी में सीएसके की टक्कर पंजाब के साथ हुई। सीएसके ने 4 करोड़ की बोल लगाने के साथ ही आरटीएम का इस्तेमाल कर लिया जिससे रचिन एक बार फिर से सीएसके के हो गये। रचिन ने अब तक 10 मुकाबलों में 222 रन बनाए हैं।
राहुल त्रिपाठी को सीएसके ने 3.40 करोड़ में खरीदा है। त्रिपाठी पिछले तीन सालों से सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे थे। उन्हें पिछली बार सनराइजर्स ने 8.50 करोड़ रुपये दिये थे पर इस बार सीएसके उन्हें अपने साथ जोड़ने में सफल रही है। कॉनवे के लिए नीलामी में पंजाब किंग्स ने भी बोली लगायी पर अंत में चेन्नई की बोली सफल रही। कॉनवे चेन्नई के लिए पारी की शुरूआत करने के साथ ही गेंदबाजी में भी करते हैं। उन्होंने सीएसके की ओर से 23 मैचों में 48 की औसत से 924 रन बनाये हैं।

डिविलियर्स ने यशस्वी को भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार बताया

एजेंसी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्टार क्रिकेर रहे एबी डिविलियर्स ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। डिविलियर्स ने कहा कि जिस प्रकार से यशस्वी बल्लेबाजी करते हैं वह क्रिकेट का सुपरस्टार है जो भविष्य में विश्व क्रिकेट में धूम मचा देगा। पर्थ टेस्ट मैच में युवा यशस्वी ने पारी की शुरूआत करते हुए दूसरी पारी मे शानदार शतक लगाया। यशस्वी ने 161 रनों की बड़ी पारी खेली। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर भातरीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अपनी आक्रामक पारी से जायसवाल ने

दिखा दिया है कि क्यों उनसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज डरते हैं। जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक जमाकर इतिहास रच दिया। यशस्वी का ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह पहला टेस्ट शतक है। डिविलियर्स ने यशस्वी की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा , मैं यशस्वी को काफी समय से देख रहा हूं, मैंने पहले भी कहा है कि वह भारतीय क्रिकेट का सुपरस्टार है। उसने पर्थ टेस्ट मैच में दिखा दिया है कि वह क्या कर कसता है। डिविलियर्स ने जायसवाल को लेकर आगे कहा कि, जायसवाल में भारतीय क्रिकेट का महान बल्लेबाज बनने की काबिलियत है, उसके अंदर काफी प्रतिभा है और इसे आगे ले जाने और निखारने की जरुरत है। साथ ही कहा कि ऐसे क्रिकेटर को बार-बार अवसर देकर भारतीय क्रिकेट अच्छा कर रहा है। मुझे उनकी बल्लेबाजी को देखकर काफी आनंद आता है। वास्तव में वो भारतीय क्रिकेट के लिए ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट के लिए भी महान बल्लेबाज बनने की ओर अग्रसर है।

सोशल मीडिया पर छायी रहीं काव्या

एजेंसी

जेद्दा । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी में पहले सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को 11.25 करोड़ रुपये में खरीदकर बेहद उत्साहित दिखीं। काव्या नीलामी मंच पर छायी रहीं और ईशान को खरीदने के बाद उनके चेहरे पर अलग ही चमक दिखायी दीं। काव्या का ये अंदाज भी सोशल मीडिया पर छाया रहा। सनराइजर्स ने नीलामी में पहले दिन सात खिलाड़ियों को खरीदा। इनमें ईशान किशन, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल,

अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, एडम जांपा और अथरव तायदे शामिल हैं। शमी को काव्या 10 करोड़ में जबकि हर्षल को 8 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। नीलामी के पहले दिन कुल 72 खिलाड़ियों पर बोली लगी। इन खिलाड़ियों पर कुल 467.95 करोड़ रुपए की बोली लगाई गई। अब आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के पास कुल 132 स्लॉट खाली हैं। आईपीएल ऑक्शन 2025 की शुरूआत अर्शदीप सिंह से हुई। कुछ दिन पहले अर्शदीप सिंह को रिलीज करने वाली पंजाब किंग्स ने उन्हें फिर से अपनी टीम में शामिल कर लिया। पंजाब ने अर्शदीप सिंह पर 18 करोड़ की बोली लगाई। वहीं पंजाब किंग्स ने ही श्रेयस अय्यर पर 26.75 करोड़ रुपए की बोली लगाई।

हाओ रान ने जीती ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस

एजेंसी

झुहाई। अगले वर्ष होने वाले 15वें चीनी राष्ट्रीय खेलों के लिए एक परीक्षण कार्यक्रम, 2024 ग्वांगडोंग-हांगकांग-मकाओ रोड साइकिलिंग रेस, रविवार को यहां इनर मंगोलिया के हाओ रान के खिताब जीतने के साथ संपन्न हुई। 230 किलोमीटर की यह रोमांचक रेस, जिसमें हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करना भी शामिल था, झुहाई संग्रहालय के बाहर शुरू हुई और यहीं पर आकर समाप्त हुई।
67 एथलीटों ने मकाओ में प्रवेश करने से पहले झुहाई में 17 किलोमीटर की राइड के साथ शुरूआत की। इसके बाद वे हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज को पार करके हांगकांग पहुंचे, हांगकांग डिजनीलैंड में वापस लौटे और हेंगकिन द्वीप के चारों

ओर तीन चक्कर पूरे करते हुए झुहाई वापस लौटे। अंतिम दो किलोमीटर में, हाओ ने बढ़त हासिल की और 5 घंटे, 15 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ अपनी जीत सुनिश्चित की। शेडोंग के मियाओ चेंगशुओ दूसरे स्थान पर रहे, दोनों राइडर्स ने लगभग समान समय में फिनिश लाइन पार की। तियानजिन के वांग रुइदोंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
हाओ ने अपनी जीत के बाद कहा, ?यह पहली बार था जब मैंने समुद्री पुल पर 60 किलोमीटर से अधिक की राइड की। प्रकृति की विशालता का अनुभव करना वास्तव में विस्मयकारी था। पुल पर साइड विंड कठिन थे, लेकिन कई क्षेत्रों को पार करना इसे और भी रोमांचक बनाता है। हांगकांग-झुहाई-मकाओ ब्रिज दुनिया का सबसे लंबा क्रॉस-सी ब्रिज है, जो ग्वांगडोंग प्रांत को हांगकांग और मकाओ से जोड़ता है। हांगकांग और मकाओ दोनों ने ही तीन-तीन एथलीट प्रतियोगिता में भेजे। विन्सेंट वान याउ लाउ हांगकांग के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता रहे, जो आठवें स्थान पर रहे।
हांगकांग टीम के मुख्य साइकिलिंग कोच हर्वे डागोर्न ने आयोजकों की खूब प्रशंसा की। फ्रांस और कजाकिस्तान की राष्ट्रीय टीमों का प्रबंधन करने वाले डागोर्न ने कहा, ?मैंने जो देखा वह एकदम सही था। मैं अगले साल के बारे में बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन संगठन होगा।?
पुरुषों की रोड साइक्लिंग स्पर्धा एकमात्र प्रतियोगिता है जो अगले वर्ष के राष्ट्रीय खेलों के लिए तीन सह-मेजबानों गुआंग्डोंग, हांगकांग और मकाऊ के बीच होगी, जो 9 से 21 नवंबर, 2025 के बीच आयोजित होंगे।

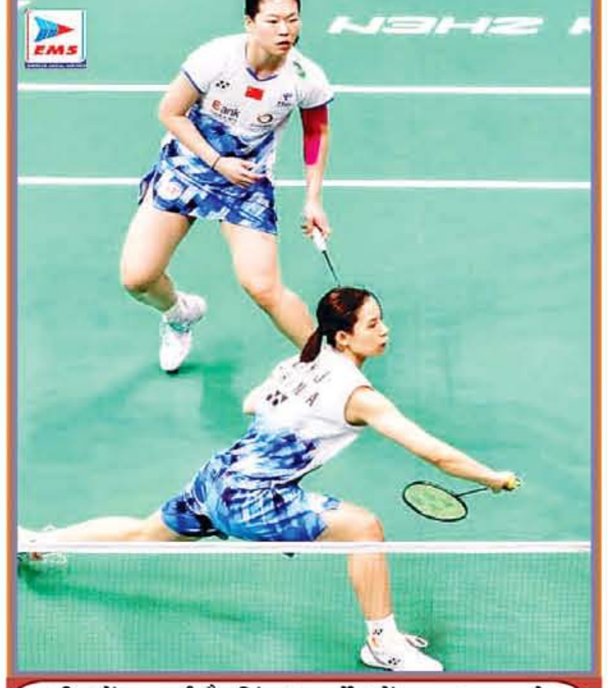

चीन में मास्टर्स बैडमिंटन टूनार्मेंट में युगल मुकाबले में खेलती हुई खिलाड़ी।

जायका

सोया बिरयानी

सामग्री

- चावल = 3 कप, पानी = 6 कप, देसी घी = कप, सोया चंक्स (पानी में भिगोकर निचोड़े हुए) = 1 कप, दाल की बड़ी = 1 कप, तेल = 1 चम्मच, तेज पत्ते = 2, सूखी लाल मिर्च = 3-4, बिरयानी मसाला = 1 चम्मच, प्याज बारीक कटा = 1 कप, जीरा = 1 चम्मच

मसाला

- गरम मसाला = चम्मच, पिसा जीरा = चम्मच, साबुत धनिया = 1 चम्मच, लाल मिर्च = चम्मच, इलायची पाउडर = चम्मच, पिसा जायफल = आधाचम्मच, नमक = स्वादानुसार, काली मिर्च = स्वादानुसार, मटर उबली = सजाने के लिए, काजू तले = सजाने के लिए।

बनाने की विधि

- चावल धोकर आधे घंटे तक पानी में भिगोएं। 1 चम्मच गरम तेल में तेज पत्ता, सूखी लाल मिर्च, जीरा, प्याज व बिरयानी मसाला मिलाएं। प्याज को गुलाबी होने तक भूनें, फिर सोया चंक और बड़ी मिला दें। अच्छी तरह चलाएं, मसाले मिलाकर पानी डाल दें उबाल आने दें, चावल डालकर धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक पकाएं। कुकर की भाप निकलने पर पुलाव राइस ट्रे में डालकर उबली मटर और फ्राइड काजू से सजाकर परोसें ।

नाश्ते में गरमा-गरम भाप छोड़ती हुई भरवां इडली आपके लिए बढ़िया रेसिपी का काम करती है। वैसे रवा इडली तुरन्त जब भी मन चाहे बना सकते हैं, लेकिन इडली को मन पसन्द पिठ्ठी भर कर बनाया जाए तो जायका और भी बढ़ जाता है।

भरवां रवा इडली

आवश्यक सामग्री

रवा (सूजी) - 300 ग्राम (1 1/2 कप), दही - 300 ग्राम (1 1/2 कप), पानी - 50 ग्राम से कम (1/4 कप), नमक - स्वादानुसार या 1 छोटी चम्मच, ईनो साल्ट - 1 छोटी चम्मच, तेल - 2 बड़ी चम्मच, राई - एक छोटी चम्मच, करी पत्ता - 7-8, उरद दाल - 1 छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 1 (बारीक कतरी हुई)

पिठ्ठी बनाने के लिए

उबले आलू - 3 मीडियम आकार के, पालक - एक कप बारीक कटा हुआ, हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी हुई), अदरक पेस्ट - 1 छोटी चम्मच, नमक - आधा छोटी चम्मच, तेल - 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले दही को फेंट लीजिए। किसी बर्तन में सूजी छान लीजिए और उसमें दही डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए। इसमें पानी और नमक डाल कर और फैंट लीजिए (मिश्रण के अन्दर गुठलियां न रहें)। किसी छोटी कड़ाई में 2 छोटी चम्मच तेल डालकर गरम कीजिए, राई डालिये, राई के तड़कने पर, करी पत्ता, उरद दाल डाल कर, दाल को हल्का ब्राउन होने तक भून लीजिए, हरी मिर्च डालकर थोड़ा सा भून लीजिए, सारे मसाले मिश्रण में मिला दीजिए। मिश्रण को 15 मिनट के लिए ढंककर रख दीजिए, ताकि सूजी के कण फूल जाएं। साथ ही पिठ्ठी भी तैयार कर लें। इसके लिए आलू को छील कर बारीक तोड़ लीजिये, कड़ाई में तेल डालकर, हरी मिर्च और अदरक डालिए, पालक डालकर नरम होने तक पकाइए, आलू और नमक डालिए और अच्छी तरह मिला दीजिए, इडली में भरने के लिये पिठ्ठी तैयार है। कुकर में 2 छोटे गिलास पानी डालकर आग पर रख दीजिए, पानी को गरम होने दीजिए। मिश्रण में ईनो साल्ट डाल कर, चमचे से चला कर अच्छी तरह मिला लीजिए, जैसे ही मिश्रण फूलने लगता है चमचे से चलाना बन्द कर दीजिए (ईनो साल्ट डालने के बाद मिश्रण को ज्यादा नहीं फेंटना पड़ता)। इडली स्टैन्ड को थोड़ा तेल लगा कर चिकना कर लीजिए। मिश्रण को चमचे की सहायता से इडली के प्रत्येक खाने में थोड़ा-थोड़ा आधे खाने से कम भर दीजिए। पिठ्ठी से थोड़ी थोड़ी पिठ्ठी उठाइए और मिश्रण के ऊपर प्रत्येक खाने में रखिए, पिठ्ठी के ऊपर से चमचे से मिश्रण डालकर पिठ्ठी को ढंक दीजिए। इडली स्टैन्ड के सारे खांचे इसी प्रकार भर कर तैयार कर लीजिए। एक बार में इडली स्टैन्ड के अनुसार 12 या 18 इडली बन जाती है। इडली स्टैन्ड में खांचों को जमा लीजिए और कुकर के पानी में भाप आने पर इडली स्टैन्ड कुकर में रख दीजिए। कुकर का ढक्कन लगा दीजिए, लेकिन ढक्कन से सीटी हटा लीजिए। तेज आग पर इडली 10 मिनट तक पकने दीजिए, कुकर का ढक्कन खोलिए (देखने के लिए कि इडली बन गई है इडली के अन्दर चाकू गड़ाकर देख लें, यदि चाकू से मिश्रण नहीं चिपकता तब इडली बन चुकी है) इडली स्टैन्ड को कुकर से निकालिए, खांचे अलग कर लीजिए, ठंडा होने पर चाकू की सहायता से खांचों से इडली निकाल कर प्लेट में रख लीजिए। भरवां रवा इडली तैयार है। गरमा-गरम भरवां रवा इडली आप सांबर, नारियल की चटनी, चने दाल की चटनी या मूंगफली की चटनी के साथ परोसिए और खाइए।

चटख व भड़कीले रंगों का मौसम

यह मौसम ऐसा है न तो अधिक गर्मी होती है और न ही अधिक ठंड । यही वजह है कि इस मौसम में चटख व भड़कीले रंग अधिक पसंद किए जाते हैं। आइए जानते हैं क्या हैं खास।

ग्रीन का क्रेज

हरे रंग के कई ऐसे शेड्स हैं, जो आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इनमें भी मुख्यतः लीफ ग्रीन, रेडियम ग्रीन, आर्मी ग्रीन, एमरल्ड ग्रीन, सी ग्रीन और फ्लोरसेंट ग्रीन पहली पसंद होते हैं। आजकल यूथ की यह पहली पसंद है। यहां तक कि लैदर जैकेट और बेल्ट्स तक में ये कलर्स पसंद किए जा रहे हैं। डार्क ग्रीन जैकेट और ट्राउजर के साथ लाइट ग्रीन शर्ट और डार्क ग्रीन टाई आपको एक अलग ही लुक देगी। इसके अलावा आप चाहें तो टीशर्ट-जींस में भी इस रंग को स्टाइल से कैरी कर सकते हैं।

हॉट रेड

पिछले कुछ सालों में फैशन जगत ने रंगों को लेकर नई परिभाषा गढ़ी है। इसका सीधा-सादा तात्पर्य यह है कि जो आपको पसंद हो, वो पहनें और बिंदास होकर पहनें। यही कारण है कि अब चटख रंग केवल लड़कियों या महिलाओं तक ही सीमित नहीं रह गए हैं। लड़के भी अब आसानी से तेज रंगों के ड्रेस में देखे जा सकते हैं। इसमें भी लाल रंग सबसे ऊपर है। दुल्हनों का तो यह सबसे पसंदीदा रंग रहा है। चाहे शिफॉन की साड़ी हो, सलवार सूट, इवनिंग गाऊन या फिर लहंगा युवतियां लाल रंग की दीवानी हैं। अब पुरुष भी आपको लाल शर्ट, कुर्ते, जूते और यहां तक कि ट्राउजर में भी दिखाई देने लगे हैं।

कुछ अन्य कलर्स

इन प्रमुख रंगों के अलावा आप मल्टीकलर कॉम्बिनेशन तथा अन्य चटख रंगों का भी उपयोग कर सकते हैं। खासतौर पर त्यौहारों और पार्टी के समय चटख रंगों से आपका लुक बोल्ड हो जाता है। ड्रेस के अलावा एसेसरीज भी चटख कलर में पसंद किया जाने लगा है।

सदाबहार यलो

भारतीय त्यौहारों और धार्मिक अनुष्ठानों में पीले परिधानों का बहुत अधिक महत्व है। इसमें गोल्डन यलो, लेमन तथा तेज पीले रंग का क्रेज ज्यादा है। इन्हें भी आप वेस्टर्न और ट्रेडिशनल दोनों तरह के परिधानों में पहन सकते हैं। वैसे पीला कलर बसंत के मौसम में अधिक पसंद किया जाता है।

ब्यूटीफुल ब्लू

आंखों को ठंडक देने वाला यह रंग, खासतौर पर लड़कों की पहली पसंद होता है। शर्ट्स, कुर्ते, टीशर्ट से लेकर शॉर्ट्स तक आपको ब्लू के ढेर सारे शेड्स मिल जाएंगे, जो सभी को लुभाते हैं। आजकल रेडियम ब्लू, सी ब्लू, शॉकिंग ब्लू, डेनिम, इजिप्शियन ब्लू, टर्किश ब्लू, सफायर ब्लू आदि जैसे कई शेड्स डिजायनर ड्रेसेस और एसेसरीज में लोगों को लुभा रहे हैं।

अपनी बॉडी के हिसाब से ही कैरी करें ड्रेस

हर कोई चाहता है वह सेलीब्रिटी की तरह दिखें। इसके लिए वह महंगे से महंगे कपड़े और एसेसरीज खरीदता है,लेकिन फिर भी नहीं मिल पाता है वह लुक, क्योंकि हर सेलीब्रिटी का सेंस ऑफ स्टाइल अलग होता है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपने बॉडी के हिसाब से ही कोई ड्रेस कैरी करें।

स्टाइल स्टेटमेंट एक सेलीब्रिटी को दूसरे सेलीब्रिटी से अलग करता है। यदि आप किस सेलीब्रिटी का लुक चाहती हैं तो पहले यह तय करें कि आप किस सेलीब्रिटी की तरह दिखना चाहती हैं। आपका बॉडी इमेज या हेयर स्टाइल जिस सेलीब्रिटी से मिलता हो, उसके स्टाइल को फॉलो करें।

जानकारी है जरूरी

आपने जिस सेलीब्रिटी को चुना है। उसके बारे में जानकारी हासिल करें। उसके स्टाइल के बारे में पता करने के लिए उसके कपड़े, उसके हेयर कट, कपड़ों का रंग को कॉपी करने की कोशिश करें। एक सेलीब्रिटी की तरह वार्डरोब बनाना तो मुश्किल है, लेकिन उससे मिलता-जुलता वार्डरोब जरूर बनाया जा सकता है। उसके जैसे आउटफिट्स का चुनाव करें। पार्टियों में वह किस तरह के कपड़ों में जाते हैं, उनके बोलने-चालने का अंदाज क्या है आदि के बारे में जानकारी हासिल करें और उन्हें अपना स्टाइल आइकॉन बनाएं।

ब्रांडेड कपड़े पहनें

हर सेलीब्रिटी के डिजाइनर अलग होते हैं और वे डिजाइनर द्वारा बनाए गए कपड़े ही पहनते हैं। सेलीब्रिटी लुक चाहिए तो आपको भी ब्रांडेड कपड़ों का चुनाव करना पड़ेगा, क्योंकि साधारण कपड़े आपके सेलीब्रिटी लुक की इमेज को खराब कर सकते हैं।

एसेसरीज भी हो खास

एसेसरीज सेलीब्रिटी लुक के लिए बहुत मायने रखता है। हर सेलीब्रिटी का ट्रेडमार्क होता है। वे एसेसरीज का ट्रेडमार्क देखकर ही पहनते हैं। उनके ट्रेडमार्क के अनुरूप ही एसेसरीज का चयन करें। आपके इस अंदाज से एक समय के बाद सेलीब्रिटी की तरह लोग, आपको भी सेंस ऑफ स्टाइल के कारण पहचानने लगें।

कामकाजी महिलाओं व पुरुषों से अधिक काम करती हैं घरेलू महिलाएं

घर को संभालने वाली और मां की संपूर्ण जिम्मेदारियां संभालने वाली महिलाओं के कार्य की कीमत आज तक कोई नहीं लगा पाया है। कहने को तो हाउसवाइफ की नौकरी-व्यवसाय के नजरिए से कोई स्थान नहीं है।

समझा जाता है कि इन घरेलू महिलाओं की समाज के आर्थिक उत्थान में कोई भूमिका नहीं होती है और उन्हें बेरोजगार की श्रेणी में समझा जाता है। लेकिन घरेलू महिला अन्य कामकाजी महिलाओं व पुरुषों से कई गुना अधिक काम करती हैं और वह भी बिना वेतन के।

- एक महिला जो मां होती है, वह घर और बच्चों को संभालने में 70 घंटे हर हफ्ते लगी रहती हैं वह भी बिना अवकाश और वेतन लिए। उनके इस योगदान के लिए कितना वेतन होना चाहिए, इस बात को लेकर परिवारों का सर्वे किया गया। शोधकर्ताओं ने सर्वे के आधार पर यह गणना की कि घर में कड़ी मेहनत करने वाली मां को 37 हजार पाउंड यानी तकरीबन 27 लाख रुपए सालाना वेतन के रूप में मिलना चाहिए। इस सर्वे में यह बात जाहिर हो गई है कि एक जूनियर डॉक्टर से भी ज्यादा लंबी शिफ्ट होती है मां की, यानी दस घंटे से भी अधिक। छह में से केवल एक महिला इस बात को स्वीकार करती हैं कि वह अपनी इस लाइफस्टाइल से खुश है।
- मां का सबसे ज्यादा समय घर की साफ-सफाई और खाना पकाने में खर्च होता है। इसी के साथ अपने बच्चों को संभालने और कपड़े धोने में वक्त चला जाता है। सुबह बच्चों को उठाने और स्कूल के लिए तैयार करने में एक मां को 55 मिनट लग जाते हैं और इतना ही समय उन्हें रात में सुलाने में खर्च होता है। यह सर्वे तीन हजार महिलाओं पर किया गया, जिनके बच्चे 16 वर्ष से कम उम्र के थे।

शुरुआती स्तर पर ही करें रिटायरमेंट की प्लानिंग

हर किसी के लिए रिटायरमेंट का मतलब अलग-अलग होता है। कुछ लोगों के लिए यह रोज की जद्दोजहद भरी जिंदगी के बाद सुखमय जीवन बिताने का मौका है। वहीं कुछ लोग इसे भयावह और अनिश्चित जिंदगी के तौर पर देखते हैं। रिटायरमेंट को सुखमय बनाने के लिए पहले से ही योजना बना कर चलना जरूरी होता है। आदर्श तरीका यह है कि आप शुरुआती स्तर पर ही इसकी प्लानिंग करें।

सही निवेश की योजना

यदि आप सरकारी नौकरी से रिटायर होते हैं तो पैसे का सही जगह निवेश करने का जरूर प्लानिंग करें। अपने पास पूंजी जमा करने के बाद एक अहम काम करना जरूरी है- अपने प्रियजनों के लिए संपत्ति का बंटवारा करना। जीवित रहते हुए वसीयत ना बनवाने से आपके जाने के बाद प्रियजनों और सगे-संबंधियों को आपकी मर्जी के मुताबिक संपत्ति मिलना मुश्किल हो सकता है। ऐसे कई सारे मामले हैं, जहां संपत्ति बंटवारा ने खुशहाल परिवार को परेशानी की दलदल में फंसा दिया।

फायदेमंद है इंश्योरेंस प्लान

न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी जैसे कई बीमा कंपनियां सीनियर सिटिजन को ध्यान में रखकर कई इंश्योरेंस प्लान चला रखी है। बस आप में अपने पैसे को सही तरीके से निवेश करने की आदत और कौशल होनी चाहिए। बीमा प्लान लेने से आकस्मिक दुर्घटना से कवर मिलने के साथ-साथ आर्थिक मजबूती मिलती है।

नई जगह निवेश से बचें

रिटायरमेंट के बाद बची पूंजी को शेयर बाजार और कमोडिटी मार्केट में लगाना आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से बेहतर नहीं माना जा सकता है। 60 साल के बाद नया कारोबार शुरू करने के लिए रिटायरमेंट फंड का इस्तेमाल करना भारी जोखिम भरा है। यदि आप चाहें तो बची पूंजी बैंक में जमा कर सकते हैं। इससे मिलने वाली ब्याज आपके लिए पेंशन का काम करेगी।

टाइम प्लानिंग

बहुत से लोग रिटायरमेंट के बाद परेशान हो जाते हैं कि आखिर वे अब क्या करें। खाली समय के लिए प्लानिंग नहीं होने की वजह से वे अकेलापन महसूस करते हैं। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप खुद किसी ऐसे काम में लगाएं, जहां आप स्वयं को व्यस्त रख सकें। मसलन सोशल वर्क के बारे में सोचें। इसके माध्यम से आपका समय व्यतीत हो जाएगा।

हेल्थ पर विशेष ध्यान

अगर आपने हेल्थ इंश्योरेंस करा रखा है तो आपकी रिटायरमेंट के बाद जिंदगी बेफ्रिक भरी हो सकती है। लेकिन अगर आपने आपने नौकरी के दौरान इसकी योजना नहीं बनाई है तो अपने हेल्थ का जरूर ध्यान रखें। समय-समय पर डॉक्टरों से मिलकर अपने स्वास्थ्य का जरूर चेकअप करते रहें। अक्सर इस उम्र में लोग कई बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। रोजाना कुछ तंदुरुस्ती आदतों को अपनी रूटीन में डालना बेहतर है।

कॉकटेल 2 में मुख्य भूमिका में नजर आ सकते हैं शाहिद कपूर

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इस बीच साल 2012 में रिलीज हुई सफल फिल्म कॉकटेल के सीक्वल में उनके जुड़ने की चर्चा काफी तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैफ अली खान की फिल्म कॉकटले का सीक्वल बनाया जाने वाला है, जिसमें शाहिद कपूर को मुख्य भूमिका में लिए जाने की बात कही जा रही है।

सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी अभिनीत कॉकटेल, जो व्यावसायिक रूप से काफी सफल रही थी। इसके निर्देशन, साउंडट्रैक और कलाकारों के शानदार अभिनय के लिए इसकी प्रशंसा की गई थी। अब, अगर रिपोर्ट्स पर विश्वास किया जाए, तो रोमांटिक कॉमेडी का सीक्वल बनने वाला है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कॉकटेल 2 एक शहरी रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसमें प्यार और दोस्ती को दिखाया जाएगा। कहा जा रहा है कि निर्माता दिनेश विजान एक मनोरंजक प्रेम कहानी बनाना चाहते हैं, जो युवा दर्शकों को पसंद आए।

शाहिद को पसंद आई है कहानी

एक रिपोर्ट के अनुसार, कॉकटेल 2 पर मैडॉक फिल्म्स काम कर रही है। कथित तौर पर फिल्म में शाहिद कपूर मुख्य भूमिका निभाएंगे। होमी अदजानिया एक बार फिर से फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिन्होंने साल 2012 की मूल फिल्म कॉकटेल का निर्देशन किया था। रिपोर्ट के मुताबिक शाहिद को फिल्म की कहानी काफी पसंद आई है। अगर ये रिपोर्ट सच साबित होती हैं, तो शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की एक्शन थ्रिलर देवा को खत्म करने के बाद ही कॉकटेल 2 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

मैडॉक फिल्म्स के साथ शाहिद कर चुके हैं काम

पीपिंग मून की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर ने अभी तक फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन उन्होंने मौखिक रूप से फिल्म के लिए हामी भर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉकटेल 2 का निर्माण साल 2025 के मध्य में शुरू होने वाला है। ऐसा हुआ, तो कॉकटेल 2 शाहिद की मैडॉक फिल्म्स के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के बाद दूसरी फिल्म होगी। कुछ रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि होमी अदजानिया और दिनेश विजान कुछ वर्षों से 'कॉकटेल' के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं।

नॉर्थ-साउथ फिल्मों की डिबेट पर तमन्ना का बड़ा बयान

तमन्ना भाटिया को बतौर अभिनेत्री एक बड़ा मुकाम दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करके मिला। बाद में वह हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनीं। वह दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री की फिल्मों में लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। उनकी कई हिंदी और साउथ की फिल्में हिट भी हुई हैं। हाल ही में तमन्ना से एक इंटरव्यू में नॉर्थ और साउथ इंडियन फिल्मों की डिबेट के बारे में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि लंबे समय से एक विवाद बना हुआ कि हिंदी की फिल्में बेहतर हैं या साउथ की फिल्में अच्छी बनती हैं। दर्शक भी इस मामले में दो हिस्सों में बंटे हुए नजर आते हैं। इस सवाल के जवाब में तमन्ना ने बहुत ही अच्छा जवाब दिया। क्या कहना है तमन्ना भाटिया क्या नॉर्थ और साउथ इंडियन फिल्मों की डिबेट पर।

मतभेद खत्म करने की बात की

हालिया दिए अपने एक इंटरव्यू में तमन्ना भाटिया कहती हैं, अब वक्त आ गया है कि हम इन दोनों इंडस्ट्रीज में मतभेद पैदा करना बंद करें। नॉर्थ और साउथ इंडस्ट्री को साथ मिलकर चलना चाहिए और एक पैन इंडिया फिल्म बनानी चाहिए। वह यह भी कहती हैं कि इन दोनों इंडस्ट्रीज को एक-दूसरे के खिलाफ खेलना बंद करना चाहिए। यह सब लंबे समय से हो रहा है और इस कारण काफी नुकसान भी हुआ है। अब दक्षिण और उत्तर भारत वाली फिल्मों की बहस को खत्म किया जाना चाहिए।

सिकंदर का मुकद्दर को लेकर उत्साहित

नेटफ्लिक्स पर जल्द ही तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर रिलीज होगी। इसमें उनके साथ अभिनेता अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल भी नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर वह काफी खुश हैं। इसमें तमन्ना का रोल काफी हटकर होने वाला है।

कहानी है रोमांच से भरी

तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर एक थ्रिलर स्टोरी है। इसमें हीरे की चोरी की एक अनसुलझी कहानी दिखाई जा रही है। एक पुलिस ऑफिसर इस चोरी को अंजाम देने वाले लोगों की तलाश में लगा हुआ है। फिल्म में तमन्ना का रोल काफी रहस्य से भरा है। साथ ही इस फिल्म की कहानी भी दर्शकों को रोमांचक अनुभव देने वाली साबित होगी।

विवियन डीसेना के समर्थन में आईं दलजीत कौर

बिग बॉस 18 इस वक्त काफी चर्चा में है। शो के प्रतियोगी लगातार दर्शकों को मनोरंजन कर रहे हैं। शो के निर्माताओं द्वारा विवियन डी सेना को बार-बार लाडला बताया जा रहा है। इसे लेकर लोग अक्सर सोशल मीडिया पर विवियन को लेकर प्रतिक्रियाएं देते रहते हैं। कई मौकों पर लोगों ने बार-बार बिग बॉस 18 के निर्माताओं पर विवियन डीसेना को लेकर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। अब इस पर बिग बॉस की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री दलजीत कौर ने भी बयान दिया है, जिसमें उन्होंने विवियन को लाडला कहने के लिए निर्माताओं को आड़े हाथों लिया है।

दलजीत कौर ने मौजूदा सीजन बिग बॉस 18 के प्रतियोगी विवियन डीसेना का समर्थन किया है। उन्होंने विवियन को लाडला कहने वालों की आलोचना की है। अभिनेत्री ने बताया कि यह टैग विवियन के लिए शो में उतना अच्छा नहीं हैं, जितना लोगो को लगता है। दलजीत ने कहा कि यह लेबल उनके खिलाफ भी काम कर सकता है और खेल में अभिनेता के लिए अनावश्यक परेशानी पैदा कर सकता है। दलजीत ने आगे कहा कि किसी को लाडला के रूप में लेबल किए जाने से दर्शकों को ऐसा लग सकता है कि अभिनेता को निर्माताओं की तरफ से खास सुविधा दी जा रही है।

लाडला बताए जाने से विवियन की बढ़ेंगी मुश्किलें दलजीत ने आगे कहा की, मुझे लगता है कि अगर उन्हें बार-बार लाडला कहा जा रहा है, तो इससे उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा होगा। यह किसी को नीचा दिखाने का एक तरीका है। अगर वह कल जीतते हैं, तो लोग कहेंगे कि यह पहले से सेट था, जो कि गलत है। मुझे नहीं पता कि यह उनके लिए कैसे काम कर रहा है, लेकिन मेरे दिमाग में, यह सब ठीक नहीं है। उनके टैलेंट को देखिए।

क्या सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी श्रीलीला?

'पुष्पा 2' के ऑइटम नंबर से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें

श्रीलीला की उस समय देश भर में चर्चा होने लगी जब उनका नाम अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से जुड़ा। वह फिल्म में दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की जगह आइटम नंबर करेंगी। श्रीलीला तेलुगु सिनेमा की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली हीरोइनों में से एक हैं और उन्होंने कई स्टार हीरो के साथ काम किया है। हालांकि, उनके अब तक के किए गए प्रोजेक्ट्स में से 'पुष्पा 2' सबसे बड़ा होगा, लेकिन अभिनेत्री पर फिल्म में अपने डांस मूव्स से प्रभावित करने का दबाव भी होगा। आइए जानते हैं क्यों?

श्रीलीला पर होगा दबाव

इससे पहले अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने 'पुष्पा' में ऊ अंतवा गाने में अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से आग लगा दी थी। उनका यह गाना हिट साबित हुआ था। उनके हॉट अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस गाने बाद से ही उन्हें बॉलीवुड में भी काफी बढ़ावा मिला।

क्या सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी श्रीलीला?

सामंथा ने फिल्म के पहले भाग में अपनी प्रस्तुति से एक लेवल सेट कर दिया है और दर्शकों की उम्मीदों को भी बढ़ा दिया है। ऐसे में श्रीलीला के सामने बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने डांस मूव्स से लोगों को प्रभावित करें। साथ ही उनके सामने यह सवाल भी रहेगा कि क्या वह सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी।

गाने के लिए श्रीलीला को मिली कितनी फीस?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलीला को 'पुष्पा 2' के इस आइटम सॉन्ग के लिए दो करोड़ रुपये फीस दी गई है। हालांकि, श्रीलीला की यह फीस उनकी पिछली रिलीज 'गुंटूर कारम' की तुलना में काफी कम है। कथित तौर पर अभिनेत्री को महेश बाबू की फिल्म के लिए चार करोड़ रुपये मिले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'पुष्पा' में श्रीलीला की 'पुष्पा 2' की फीस की तुलना फिल्म के पहले भाग में नजर आ चुकी सामंथा रुथ प्रभु को अभिनेत्री से ज्यादा फीस मिली थी। सामंथा को आइटम गाने ऊ अंतवा के लिए कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये दिए गए थे।

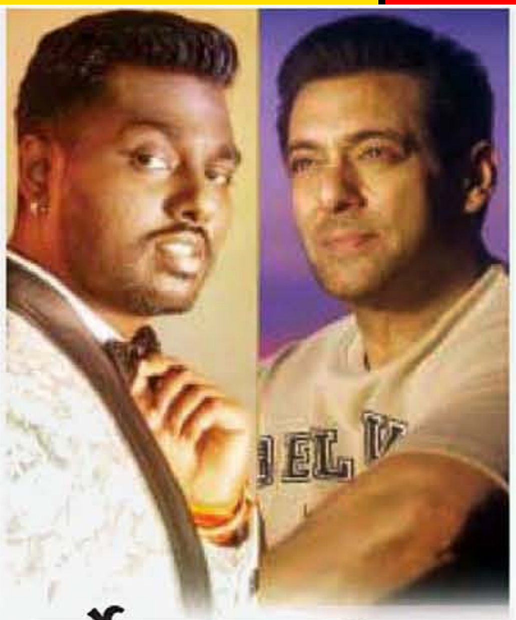

पर्दे पर बड़ा धमाल करने की तैयारी में एटली-सलमान

साल 2023 में शाहरुख खान के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान देने के बाद निर्देशक एटली अब सलमान खान के साथ अपनी छठी फिल्म की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। इस खबर ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

दो हीरो आएंगे नजर

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में दो-हीरो वाली कहानी देखने को मिल सकती है, जिसमें एटली सलमान खान के साथ कमल हासन या रजनीकांत को मुख्य भूमिका में कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। अगर यह कास्टिंग होती है तो हाल के समय की कई यह अब तक की सबसे बड़ा कास्टिंग में से एक होगी।

पुनर्जन्म पर आधारित होगी फिल्म

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एटली की अगली फिल्म एक बड़े बजट की पुनर्जन्म पर आधारित एक्शन ड्रामा होगी, जिसमें सलमान खान एक बिलकुल नए अवतार में नजर आएंगे। फिल्म में दो युगों- अतीत और वर्तमान की कहानी दिखाई जाएगी, जिसमें दर्शकों को कई शानदार सीन देखने को मिलेंगे। सलमान खान इस फिल्म में एक योद्धा के रूप में अतीत के युग में दिखाई देंगे, जबकि वर्तमान युग की कहानी अभी तक पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। इस फिल्म के सभी पात्र दोनों समय रेखाओं में जुड़े होंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार यह इस फिल्म का प्रोडक्शन साल 2025 की गर्मियों में शुरू होगा, क्योंकि एटली को स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने और प्री-प्रोडक्शन शुरू करने के लिए समय की आवश्यकता है। इस फिल्म में दर्शकों को एक्शन, ड्रामा, थ्रिल और इमोशन का भरपूर मिश्रण देखने को मिलेगा। दावा किया जा रहा है कि एटली ने इस साल के अंत तक पूरी कास्ट को फाइनल करने की योजना बनाई है।

फौजी 2 का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हैं गौहर खान

अभिनेत्री गौहर खान ने 'इफ्फी 2024' में शिरकत की। इस दौरान अभिनेत्री ने अपने आगामी शो फौजी 2 के लिए अपनी भावनाओं को साझा किया। गौहर ने बताया कि वह इस शो का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हैं। उन्होंने कहा मैं इस शो का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं और इस शो का एक बड़ा हिस्सा बनना और भी बड़ा सम्मान है। उन्होंने शो के बारे में कहा, शो एक धारावाहिक की तरह नहीं लगेगा, क्योंकि जो कहानियां दिखाई गई हैं वह बहुत ही भरोसेमंद, अनूठी और प्रेरक हैं। इस दौरान उन्होंने शो के निर्माता संदीप सिंह की भी प्रशंसा की।

अभिषेक बच्चन ने नकारात्मकता पर की बात

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी नवीनतम फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जिसके पास दुनिया में ज्यादा समय नहीं बचा है। हाल में ही अपने एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने निजी जीवन में नकारात्मकता के बीच आगे बढ़ने के लिए उम्मीद की किरण खोजने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वह जिस तरह से व्यक्ति हैं, वो उसे बदल नहीं सकते। बातचीत के दौरान, अभिषेक बच्चन ने नकारात्मकता के बावजूद अपने मौलिक मूल्यों को न बदलने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इंसान को दृढ़ होने के साथ-साथ चीजों को स्वीकारना और उसके अनुसार ही आगे बढ़ना चाहिए। अभिषेक ने कहा, “जब बुरा अपनी बुराई न छोड़े तो अच्छा अपनी अच्छाई क्यों छोड़े? उन्होंने आगे कहा, मैं जो व्यक्ति हूं, उसे नहीं बदल सकता। अभिनेता ने बताया कि वह जीवन में बहुत सकारात्मक व्यक्ति हैं और नकारात्मकता पर ध्यान नहीं देते हैं, नहीं तो ये चीजें उन्हें परेशान कर सकती हैं। अपनी फिल्म आई वांट टू टॉक से तुलना करते हुए, अभिषेक बच्चन ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति बादल पर एक उम्मीद की किरण देखता है, तो उसे वह थामे रखना चाहिए, क्योंकि यह आगे बढ़ने की प्रेरणा बन सकती है। उन्होंने कहा कि अंधकार और नकारात्मकता से ग्रसित होना आसान है। अभिषेक ने आगे कहा कि इंसान को अपने विश्वासों के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप दुनिया में हवा में उड़ रहा एक पत्ता बनने जा रहे हैं, तो लोग आपको एक ठोस व्यक्ति नहीं मानेंगे।

अभिषेक ने आई वांट टू टॉक को लेकर कहा कि वह शायद इस कहानी पर एक बहुत ही भावनात्मक और दुखद फिल्म बनाते, लेकिन उनके निर्देशक शूजित सरकार ने एक खुशनुमा फिल्म बनाने का फैसला किया, जो दर्शकों को हंसाती है। अभिनेता ने उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक सीखने का अनुभव था, उन्होंने कहा, “चाहे कितनी भी कठिन बाधा क्यों न हो, आशा की किरण और कारण को खोजने के लिए तैयार रहना चाहिए।

इफ्फी में मिसेज के एशिया प्रीमियर में सान्या मल्होत्रा को स्टैंडिंग ओवेशन मिला

सान्या मल्होत्रा ने मिसेज में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर एक प्रमुख महिला के रूप में अपनी योग्यता साबित की है, जिसका प्रीमियर गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में हुआ था। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मलयालम हिट द ग्रेट इंडियन किचन के रूपांतरण वाली इस फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिली, जिसने सान्या को इंडस्ट्री की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। मिसेज के प्रीमियर पर, सान्या को इस सामाजिक ड्रामा में उनके शक्तिशाली किरदार के लिए भारी तालियाँ से सराहना मिलीं। प्रतिक्रिया से अभिभूत होकर उन्होंने अपना आभार व्यक्त किया। उनके विचारोत्तेजक प्रदर्शन ने सामाजिक मानदंडों और लैंगिक भूमिकाओं पर विचार किया। पगलैट और कटहल में अपनी भूमिकाओं के लिए पहले ही प्रशंसा हासिल कर चुकी सान्या, प्रभावशाली कहानियों के साथ हमेशा खबर में रहती हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में उनकी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की जीत और मिसेज की वैश्विक सफलता ने भारतीय सिनेमा में अग्रणी कलाकारों में से एक के रूप में उनका प्रतिष्ठा और मजबूत कर दिया है। मिसेज के अलावा, सान्या की आगामी परियोजनाओं में धर्मा प्रोडक्शंस की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, सह-कलाकार वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ साथ है, साथ ही अनुराग कश्यप के साथ एक बेनाम फिल्म शामिल है, जहां वह बॉबी देवल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेगी।

एकजुट होकर लड़ेंगे और अपना हक लेंगे: राकेश टिकैत

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा, ग्रेटर नोएडा के किसान संगठनों के आहवान पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर बडी महापंचायत का आयोजन किया गया। इस पंचायत में किसानों का हुजूम उमड़ा। महापंचायत में पहुंचे किसान नेता व भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने चेतावनी दी कि प्राधिकरण और सरकार किसानों को उनका हक दें, नहीं तो एक लम्बी लड़ाई लड़ी जाएगी और इस बार सभी किसान संगठन एकजुट होकर लड़ेंगे और अपना हक लेकर रहेंगे।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से प्रभावित किसानों ने आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय के बाहर महापंचायत की। इस महापंचायत में गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ व आगरा सहित 20 जिलों के किसान शामिल हुए। महापंचायत की अध्यक्षता भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने की।

मीडिया से बातचीत करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि प्रदेश सरकार और प्राधिकरण पिछले कई वर्षों से किसान संगठनों को बहका रही है। सरकार इन संगठनों को बांटना चाहती है। सरकार किसान संगठनों को तोड़ने में लगी हुई है। क्षेत्र के किसान 10 प्रतिशत विकसित भूमि और 64 प्रतिशत बढ़े हुए मुआवजे व अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज नहीं सुन रही है।

राकेश टिकैत ने कहा कि अब सभी किसान संगठन एकजुट होकर अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लम्बी चलेगी और यहां की कमेटी आगे की रणनीति तय करेगी। उन्होंने कहा कि देश में और भी किसान संगठन बनेंगे जो अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि अब किसान एकजुट होकर सरकार व प्राधिकरण से लोहा लेंगे।

बाल देख-रेख संगठनों को कराना होगा पंजीकरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला अधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों पर जिला प्रोबेशन अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने बताया कि जनपद में स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से संचालित ऐसे बाल देख-रेख संगठनों की पहचान करने के निर्देश दिए गये हैं, जिनके द्वारा किशोर न्याय अधिनियम के तहत पंजीकरण नहीं कराया गया हैं।

उन्होंने बताया कि 0-18 आयु वर्ग के बालक-बालिका वाले ऐसे बाल देख-रेख संगठन, जो किशोर न्याय(बालकों के देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण नहीं है, उनके संस्था प्रभारी/संचालक समस्त अभिलेखों के साथ आवश्यक कार्यवाही के लिए जिला प्रोबेशन कार्यालय पुरानी कोर्ट फेस-2 नोएडा गौतम बुद्ध नगर में कार्य दिवस पर 01 सप्ताह के अंदर संपर्क करें अथवा मोबाइल नंबर 7503551845 पर संपर्क कर संस्था के समस्त अभिलेख आदि विवरण प्रस्तुत करें।

यदि मानकों के क्रम में पंजीकरण के बिना संस्था का संचालन किया जाता है तो नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

लायंस क्लब ने लगाया नेत्र जांच शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। लॉयंस क्लब दिल्ली कैपिटल क्लब नम्बर 039092, लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321॰1 ने अपना सालाना नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य जांच शिविर जनपद गवर्नर लायन न क गुप्ता प्रथम महिला लायन माला गुप्ता के सानिध्य में ग्राम चौकी जिला बुलंदशहर में आयोजित किया।

शिविर में 261 लोगों की नेत्र जांच की गई। शिविर में 68 मरीज मोतियाबिंद के मिले। मोतिया बिंद का मुफ्त ऑपरेशन लायंस हॉस्पिटल न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में किया जाएगा।

स्वास्थ्य जांच यथार्थ हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के योग्य चिकित्सकों द्वारा की गई।

मिजिल्स रूबेला के चेकअप के लिए अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत

6 दिसंबर 2024 तक मिजिल्स रूबेला केसों के रोकथाम के लिए चेकअप अभियान चलाया जाएगा, जिसका जिला अस्पताल में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम में डॉक्टर मोहम्मद उबेद कुरैशी व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ आर के सिंह उपस्थित रहे।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर आरके सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह टीका सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल पर दिया जाएगा। अभियान के तहत 5 वर्ष तक मिजिल्स रूबेला से एमआर 1 तथा एमआर 2 से छूटे हुए बच्चों को प्रतिरक्षित किया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण और बायर्स के साथ धोखाधड़ी

लोजिक्स सिटी डेवलपर्स की जांच आर्थिक अपराध शाखा को

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण और फ्लैट बायर्स के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में मैसर्स लोजिक्स सिटी डेवलपर्स प्रा लि के चारों प्रमोटर्स के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने बताया कि इस बिल्डर को 2011 में सेक्टर 143 में 100080.98 वर्गमीटर का भूखंड संख्या जीएच-2 आवंटित किया गया था। बिल्डर द्वारा तृतीय पक्ष अधिकार सृजित कर धन अर्जित किया गया परंतु न तो प्राधिकरण की देनदारियों का भुगतान किया और न समय पर निर्माण कार्य ही पूरा किया। प्राधिकरण का कहना है कि आवंटित भूखंड से प्राप्त धन को बिल्डर द्वारा कहीं ओर लगाया गया है। प्राधिकरण ने बिल्डर कंपनी के चार प्रमोटर्स देवेन्द्र मोहन सक्सेना, शक्ति नाथ, विक्रम नाथ व सुश्री

मीना नाथ के विरुद्ध आर्थिक अपराध शाखा दिल्ली में मुकदमा दर्ज कराया है।

इसी प्रकार थ्री सी प्रोजेक्ट्स प्रा लि को आवंटित भूखंड संख्या जीएच-1ए, सेक्टर 168(लोटस जेस्ट) तथा मैसर्स जीएसएस प्रॉकोन प्रा लि को आवंटित भूखंड संख्या जीएच-1सी, सेक्टर 143 बी में वित्तीय अनियमितताओं के लिए दोनों बिल्डरों का मामला आईबीबीआई को संदर्भित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम द्वारा ऐसे बिल्डरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है जो प्राधिकरण और फ्लैट बायर्स के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं।

अंशिका चौधरी को मिला यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड

गाजियाबाद (चेतना मंच)। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी निवासी आंशिका चौधरी को जीपी ठाकुर यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एवं इंडियन अकैडमी आफ हेल्थ साइकोलॉजी बनारस के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अंशिका को वनारस में यह सम्मान दिया गया।

इस सम्मेलन में मानव स्वास्थ्य पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल उत्तर प्रदेश के ओएसडी डॉ पंकज एल जानी शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने स्वस्थ रहने के लिए मनोवैज्ञानिक कारक को बहुत प्रभावित बताया। अवॉर्ड मिलने पर पूरे गुलमोहर एन्क्लेव में खुशी का

माहौल है और लोग आंशिका चौधरी के घर बधाई देने पहुंच रहे हैं।

यह अवॉर्ड मिलने से अंशिका बेहद खुश हैं और उन्होंने इसका श्रेय अपनी माँ रश्मि चौधरी और अपने गुरु एस बर्दराजन को दिया है।

आंशिका ने चेन्नई से मनोविज्ञान की पढ़ाई की है और वर्तमान में दिल्ली एम्स में कार्य कर रही हैं। मनोविज्ञान के बारे में बात करते हुए अंशिका ने बताया कहा कि मनुष्य अपने जीवन का सृजन स्वयं कर सकता है, उसे आवश्यकता है तो केवल अपने मन की आवाज सुनने की। वह अपनी दिशा और दशा दोनों इसी आधार पर तय कर सकता है। मन को संतुलित रखते हुए अपने अंदर जो एनर्जी है उसे एकाग्रचित रखना हमारे लिए अत्यंत सकारात्मक है। उनकी इस सफलता पर गुलमोहर एनक्लेव निवासी गौरव बंसल और उनकी पत्नी अनुजा बंसल ने भी अंशिका को घर जाकर बधाई दी।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने किया रैन बसेरे का शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ठंड बढ़ने के साथ ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि

कुमार एन के निर्देश पर ग्रेटर नोएडा में रेन बसेरा बनाने का काम शुरू हो गया। पी-3 बारातघर में दादरी विधायक तेजपाल नागर ने इसका शुभारंभ किया।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-4 एवं 7 के अधिकारियो के द्वारा ग्रेटर नोएडा परी चौक के पास,पी 3 बारात घर, जिम्स हॉस्पिटल के सामने रैन बसेरा स्थापित करवाया गया जिसका शुभारंभ नारियल फोड़कर व रिबन काटकर दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर,जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रतिनिधि संजय सिंह एवं जिम्स हॉस्पिटल के निदेशक सौरभ श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर जी ने आश्वासन दिया है कि शहर में कोई भी असहाय गरीब व्यक्ति रोड पर ठंड में नहीं रहना चाहिए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि कुमार एन ने कहा कि ग्रेटर नोएडा शहर में किसी भी व्यक्ति को कोई भी असहाय, परेशान व्यक्ति मिलता है तो उसको रैन बसेरों में शहरवासी पहुंचाने की कृपा करें।

ग्रेटर नोएडा में परी चौक पिंक टॉयलेट के पास, जिम्स हॉस्पिटल कासना, पी 3 बरात घर,डेल्टा टू बरात घर, इकोटेक 3 पर भी रैन बसेरे बनाये गए हैं।

एक्टिव सिटीजन टीम ने प्राधिकरण के सीईओ, एसीईओ व वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश निम ,मैनेजर अभिषेक, सहायक प्रबंधक हरेन्द्र सिंह, एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य हरेंद्र भाटी, राजू पंडित, राजू भाटी, RWA अध्यक्ष P3 सुरेंद्र शर्मा, परितोष भाटी,एम डी शर्मा,टक्निकल संतराम भाटी,सुंदर कसाना ने नाइट सेंटर रैन बसेरा में असहाय लोगों के लिए रैन बसेरे की व्यवस्था कराने के लिए सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद किया।